दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः शनिवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 235 • पृष्ठ 8 • दुमका, शनिवार 26 अगस्त 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

ग्रीस पहुंचे PM मोदी, 40 साल में किसी भारतीय पीएम की पहली यात्रा

वित्त मंत्री जॉर्ज ने गर्मजोशी से किया स्वागत

नई दिल्ली/एजेंसी।

शुक्रवार को एथेंस पहुंचते ही नरेंद्र मोदी 40 वर्षों में ग्रीस की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधान मंत्री बन गए। यह मोदी की ग्रीस की पहली यात्रा भी है।

एक्स पर प्रधान मंत्री ने कहा, एथेंस पहुंचा हूं। भारत-ग्रीस मित्रता को गहरा करने के मकसद से यह एक उपयोगी ग्रीस यात्रा होगी। मैं प्रधानमंत्री कैरियाकोस मितसोताकिस के साथ बातचीत करूंगा। साथ ही भारतीय समुदाय के लोगों के साथ भी बातचीत करूंगा।

साथ ही एक ट्वीट में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि मोदी ने ग्रीस की अपनी पहली यात्रा के लिए ऐतिहासिक शहर एथेंस में कदम रखा है। हवाई अड्डे पर वित्त मंत्री जॉर्ज गेरापेत्रिटिस ने गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान व्यापारिक समुदाय, भारतीय प्रवासियों और प्रमुख हस्तियों के साथ भी बातचीत करेंगे।

गृहमंत्री अमित शाह से मिले मणिपुर के मुख्यमंत्री

नई दिल्ली/एजेंसी।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और राज्य की स्थिति पर चर्चा की, जहां जातीय हिंसा हुई थीं। यह बैठक बीती रात को हुई। सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री को मौजूदा स्थिति से अवगत कराया और संघर्षग्रस्त राज्य से संबंधित कई मुद्दों पर भी चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि सिंह ने शाह को विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों से भी अवगत कराया।

सिंह ने बैठक से पहले संवाददाताओं से कहा, राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार हो रहा है। मैं यहां गृह मंत्री से सलाह लेने आया हूं। अधिकारियों ने बताया कि सिंह अपने कुछ कैबिनेट सहयोगियों और पार्टी विधायकों के साथ गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे।

सूत्रों ने यह भी बताया कि शाह जल्द ही राज्य के नागरिक समाज संगठनों के साथ बैठक कर सकते हैं। मणिपुर में 3 मई को जातीय संघर्ष भड़क उठा और तब से अब तक सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है जबकि हजारों लोगों को राहत शिविरों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। विपक्षी कांग्रेस मौजूदा स्थिति के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहरा रही है और बीरेन सिंह को बर्खास्त करने की मांग कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम नीतीश कुमार ने लालू को क्यों कहा बेचारा;मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से विवाद का भी जवाब दिया

पटना । बिहार की महागठबंधन सरकार के सबसे बड़े दल राष्ट्रीय जनता दल से जनता दल यूनाईटेड की अनबन की बात को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को कैसे अफवाह करार दिया,यह समझने वाले समझ गए जाएंगे। मुख्यमंत्री से राजद अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ सीबीआई के सुप्रीम कोर्ट जाने के बारे में सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा– ₹ऐसे ही बेचारे को तंग कर रहा है। जानबूझ कर तंग कर रहा है।नीतीश की हमदर्दी भरी इन पंक्तियों ने साफ कर दिया है कि भारतीय जनता पार्टी के तमाम दावों से उलट महागठबंधन सरकार में फिलहाल गतिरोध नहीं है। नीतीश ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने I.N.D.I.A. मीटिंग की तारीख के साथ जातीय जनगणना और राजभवन विवाद पर भी खुलकर अपनी बात रखी। नीतीश कुमार ने कहा कि जातीय आधारित गणना का काम बिहार में पूरा हो चुका है। हमलोगों ने कार्यक्रम तय कर लिया था।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

65,953.48+232.23 (0.35%)

निफ्टी

19,597.30+80.30 (0.41%)

चांद की सतह पर उतरा था प्रज्ञान रोवर

विक्रम लैंडर ने ली पहली सेल्फी

नई दिल्ली/एजेंसी।

आखिरकार वह पल आ ही गया जिसका इंतजार एक अरब भारतीय बेसब्री से कर रहे थे. दरअसल, इसरो ने लैंडर विक्रम से प्रज्ञान रोवर के चांद की सतह पर उतरने का वीडियो जारी किया . जिसमें देखा जा सकता है कि रोवर रैंप के सहारे चांद पर गया. लैंडर और रोवर बिल्कुल ठीक हालत में हैं.

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने भारत के लैंडर विक्रम और प्रज्ञान रेवर की चंद्रमा की सतह से पहली सेल्फी शेयर की है. जब प्रज्ञान रोवर अपनी कछुआ की गति से चल रहा था, तब विक्रम लैंडर ने इसके रैंप की फोटो और एक वीडियो लिया है. इसरो ने एक ट्वीट में वीडियो शेयर करते हुए लिखा, ... यहां बताया गया है कि चंद्रयान-3 रोवर लैंडर से चंद्रमा की सतह तक कैसे पहुंचा.

चंद्रयान-3 ने बुधवार शाम 6.04 बजे चंद्रमा पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की, जिससे भारत चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरने वाला चौथा देश बन गया. इसके लगभग 4 घंटे के बाद, प्रज्ञान रोवर सतह पर आया, इस पल को इसरो द्वा-रा शेयर किए गए नए वीडियो में कैप्चर किया गया है.

अफसरों की ट्रांसफर पोस्टिग मामले में सुप्रीमकोर्ट पहुंची दिल्ली सरकार, केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्र सरकार के दिल्ली सेवा (विधेयक) कानून के खिलाफ आम आदमी पार्टी की सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। दिल्ली सरकार की याचिका पर कोर्ट ने उस याचिका को संशोधित करने की अनुमति दे दी है, जिसमें उसने 19 मई के सेवा अध्यादेश की वैधता को चुनौती दी थी। सेवा अध्यादेश अब कानून बन चुका है। केंद्र के नए हृष्टञ्जष्ठ (संशोधन) कानून, 2023 संसद के दोनों सदनों से पास हो चुका है और राष्ट्रपति से भी इसकी मंजूरी मिल गई है। यह कानून केंद्र सरकार को दिल्ली सरकार में नौकरशाहों पर नियंत्रण देता है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी की दलीलों पर ध्यान दिया कि पहले चुनौती अध्यादेश के खिलाफ थी, जो अब संसद से मंजूरी के बाद कानून बन गया है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलने पर जितना केस करवाना है हेमंत सोरेन करवा लें

जेल से भी लूट, झूठ और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ बुलंद करेंगे: बाबूलाल मरांडी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शिकारीपाड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा पहली सरकार में बस का मालिक बनाया था, इस बार भाजपा की सरकार बनाएं,खान,खादान के मालिक स्थानीय बनेंगे।संकल्प यात्रा के दौरान शिकारीपाड़ा में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी हेमंत सरकार पर जमकर बरसे। संथाली भाषा में बोलते हुए कहा कि अटल जी ने इस राज्य को अलग राज्य का सौग़ात दिया, जिसे राज्य और केंद्र की भाजपा सरकार ने संवारने का कार्य किया।किंतु हेमंत सरकार के भ्रष्टाचार से प्रदेश की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग़रीबों की चिंता करते हैं और हेमंत सोरेन दलालों, भ्रष्टाचारियों की चिंता करते हैं। हेमंत सोरेन ने पैसे कमाने में झारखंड को खोखला कर दिया। खदान व खनिज संपदा दिल्ली मुंबई वालों को दे दिया। उन्होंने कहा कि 2024 में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनायें व झारखंड में भाजपा की सरकार बनायें, भाजपा स्थानीय को खदान का लीज देगी। पूँजी नहीं होने पर पूँजी भी देगी। यहाँ

के लोग मज़दूर नहीं मलिक बनेंगे। उन्होंने कहा कि पहली सरकार में बस का मलिक बनाया था इस बार भाजपा की सरकार बनी तो खदान का मलिक स्थानीय लोग बनेंगे। उन्होंने कहा कि हेमंत वाली हिम्मत अपराधियों में दिख रहा है। अपराधी बेख़ौफ़ होकर अपराध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक प्रदेश में हेमंत सरकार है क़ानून राज स्थापित, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगने वाला नहीं है। हेमंत सरकार भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। मरांडी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की सरकारें विकास के लिये जानी जाती है जबकि कांग्रेस जेएमएम की सरकार मतलब ही भ्रष्टाचार लूट दलालों बिचौलियों की सरकार है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में लूट मची है भ्रष्टाचार व्याप्त है, इस लूट के ख़िलाफ़ बोलने पर हेमंत सोरेन ने आधा दर्जन केस करवा दिया है। उन्होंने कहा कि जितना केस करवाना है करवा ले वे जेल से भी राज्य सरकार द्वारा मची लूट,झूठ और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ बुलंद करते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि जब भाजपा की सरकार बनी तो गाँव गाँव में सड़क निर्माण हुआ। संथाल परगना में भी विकास के कई योजनाएँ चल रही है। रेलवे मार्ग से लेकर हवाई मार्ग से यह क्षेत्र जुड़ गया। देवघर में एम्स और दुमका में मेडिकल कॉलेज भाजपा सरकार में ही निर्माण हुआ। इतना ही नहीं भाजपा ने अलग से आदिवासी मंत्रालय, संथाली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कराया और मोदी ने पहली बार मंत्रालय में आठ आदिवासी को मंत्री बनाया जबकि कांग्रेस जेएमएम ने आदिवासियों से सिर्फ़ वोट लेने का कार्य किया। उन्होंने 2024 में नरेंद्र मोदी को जिताने का संकल्प और झारखंड से हेमंत को उखाड़ फेंकते हुए भाजपा की सरकार बनाने का संकल्प दिलाया।जनसभा को संबोधित करते हुए दुमका सांसद सुनील सोरेन ने कहा कि झारखंड को दिल्ली की गलियों में बेचने का कार्य शिबू सोरेन ने किया, किसी दूसरे ने नहीं।बिहार राज्य से अलग झारखंड राज्य का निर्माण भाजपा की केंद्र सरकार ने ही किया था,दूसरी पार्टी की सरकार ने नहीं। सुनील सोरेन ने भी वर्तमान झारखंड सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया। सभा को पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी ने संबोधित करते हुए कहा कि अब वह समय आ गया है जब संकल्प लें और झारखंड से झारखंड मुक्ति को मोर्चा को उखाड़ फेंके। सभा को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद शर्मा,जिला अध्यक्ष परितोष सोरेन,जिला उपाध्यक्ष रामनारायण भगत,काठीकुंड प्रखंड प्रमुख बिमला नीपू सोरेन ने भी संबोधित किया। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा नेत्री अमित रक्षित,अविनाश सोरेन,पूर्व जिला अध्यक्ष निवास मंडल, पिंटू अग्रवाल,विवेकानंद राय,अमरिंदर कुमार सिंह ,रानीश्वर प्रखंड एवं काठीकुंड प्रखंड के मंडल अध्यक्ष के साथ-साथ भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे। सभा की अध्यक्षता शिकारीपाड़ा पूर्वी मंडल अध्यक्ष सुभाषित चटर्जी ने की, जबकि मंच का संचालन पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने किया।

सात दुधारू पशुओं से लदा पिकअप वाहन जब्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। दुमका पुलिस की कड़ी चौकसी के बावजूद जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से होकर पशु तश्तरी करने का धंधा नहीं रुक रहा है।जिले के हंसडीहा,ओपी व शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र से पशुओं का पश्चिम बंगाल जाना लगातार जारी है।गुरुवार की रात शिकारीपाड़ा थाना के सहायक अवर निरीक्षण जीवन तिऊ पुलिस बल के साथ रात्रि गस्ती कर रहे थे।गस्ती के दौरान शिकारीपाड़ा बाजार के समीप उन्हें एक पिकअप वाहन में पशु होने का संदेश हुआ।उन्होंने वाहन रोकने का संकेत दिया तो चालक एवं खलासी वाहन छोड़कर भाग गए, परन्तु एक व्यक्ति पकड़ा गया।जांच करने पर पिकअप वाहन में 7 दुधारू पशु लदे हुए पाएं गये।जीवन तिऊ ने पशु लदे वाहन को थाना परिसर लाया,जहां उनके बयान पर मामला दर्ज किया गया। मामले में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी उमेश राम ने बताया कि सभी सात पशुओं को स्थानीय लोगों के जिम्मानामा पर सौंप दिया गया है।एक व्यक्ति गिरफ्तार किया गया है एवं वाहन को जप्त कर लिया गया है। बताते चलें कि विभिन्न थाना पुलिस द्वारा पशु लदे वाहनों को जब्त तो किया जाता है तथा स्थानीय लोगों के बीच जिम्मा नामा पर दे दिया जाता है,लेकिन उसके बाद पशुओं का क्या हुआ देखने वाला कोई नहीं रहता है।इस मामले में पशु चिकित्सक से पशुओं को पकड़ने के समय या उसके बाद कभी भी स्वास्थ्य जांच नहीं करायी जाती है। उल्लेखनीय है कि हाल फिलहाल ओपी थाना क्षेत्र के गुहियाजोड़ी शिकारीपाड़ा बायपास सड़क पर पशुओं से लदी एक पिकअप वाहन पलट गई थी जिसमें दो पशुधन की मौत भी हो गई थी, लेकिन ओपी थाना पुलिस को घटना की भनक भी नहीं लगी।पशु तस्करों ने जेसीबी लाकर रातोंरात वाहन को उठा लिया था।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बिहार से पश्चिम बंगाल तक पशु तस्करों का रैकेट काम कर रहा है जो रात के अंधेरे में विभिन्न चोर रास्ते से पशु तस्करी के धंधे को अंजाम दे रहा है।हंसडीहा थाना क्षेत्र के बनियारा एवं सरैयाहाट थाना क्षेत्र के पाथरा से पशु तस्करी के धंधे को कंट्रोल किया जाता है।सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार बिहार से बड़े वाहनो में पशुओं को लाकर बनियारा एवं पाथरा में उतारा जाता है फिर मौका देखकर पिकअप वाहन में लोडकर पश्चिम बंगाल के रामपुरहाट ले जाया जाता है।प्राप्त जानकारी के अनुसार इस गोरखधंधे में बड़े माफिया शामिल हैं जो पुलिस की कड़ी चौकसी के बावजूद चोर रास्तों से पशु तस्करी के कारोबार को चला रहा है।

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त ने किया देर रात बासुकीनाथ धाम का औचक निरीक्षण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उपायुक्त ए दोड्डे ने गुरुवार को देर रात बासुकीनाथ धाम का औचक निरीक्षण किया। उपायुक्त ने मंदिर परिसर में अधिष्ठापित सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण करते हुए प्रतिनियुक्त अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह अपनी ड्यूटी के समय इस बात का ध्यान रखे की किसी भी श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो। उन्होंने सुरक्षा में लगे जवानों को भी मुस्तैद रहने का निर्देश दिया। इस दौरान उपायुक्त ने कांवरियों के बाबा भोलेनाथ पर सुगम जलाभिषेक को लेकर कई दिशा निर्देश भी दिये। इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी सहित अन्य वरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

श्रद्धालुओं ने किया बाबा फौजदारी नाथ पर जलार्पण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 25 अगस्त को 123541 श्रद्धालुओं ने बाबा फौजदारी नाथ पर जलार्पण किया।शीघ्र दर्शनम से 2022 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया है।शीघ्र दर्शनम से 6,06,600 रुपये प्राप्त हुआ।दान पेटी से 1,11,500रुपये,गोलक से 41760 रुपये अन्य स्त्रोत से 9464 रुपये प्राप्त हुए। हुए।चांदी का सिक्का 5 ग्राम 1 पीस बिका है ।

भारतीय मजदूर संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक हुई

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। भारतीय मजदूर संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक मत्स्यगंधा गेस्ट हाउस में जिला अध्यक्ष शिव शंकर गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश संगठन मंत्री बृजेश कुमार उपस्थित रहे। प्रदेश संगठन मंत्री बृजेश कुमार ने संगठन को मजबूत करने के लिए सभी यूनियनों की कार्यों की समीक्षा लिया और संगठन को और धारदार बनाने के लिए कहा। संहिता,सहिया साथी, टोटो ऑटो, भवन निर्माण, खेतिहर कृषि श्रमिक आदि क्षेत्रों में संगठन को मजबूत कर अपने मांगों को लेकर उपायुक्त के समक्ष रखने को कहा। कार्यक्रम का मंच संचालन जिला मंत्री गंगाधर शर्मा ने किया। जिला कार्यकारिणी बैठक में सह मंत्री पम्मी देवी, पोस्टल विभाग जिला मंत्री प्रीतम कुमार, संदीप मंडल, उर्मिला हेंब्रम, राजीव कुमार, अनुज पंडित एवं अन्य सदस्य गण उपस्थित थे ।

बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी प्रसाद की जयंती मनाई गई

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संथाल परगना पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल जी के 105 वें अवतरण दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पण का कार्यक्रम श्रीराम पाड़ा,दुमका के आवासीय कार्यालय में केंद्रीय संरक्षक राधेश्याम वर्मा जी के अगुवाई में आयोजित किया गया।उक्त अवसर पर उपस्थित संथाल परगना पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के सदस्यों से स्व०विंदेश्वरी प्रसाद मंडल के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजली देकर श्रद्धासुमन अर्पित किया और श्रद्धेय विंदेश्वरी प्रसाद मंडल जी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला।उक्त अवसर पर वर्मा ने कहा कि हमलोग महापुरुषों की

जयंती इसलिए मानते हैं क्योंकि इन महापुरुषों ने पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष कर 27% आरक्षण स्व०बीपी सिंह की सरकार में दिलाया परंतु दुखद बात यह है कि जब से झारखंड राज्य का गठन हुआ तब से यहां पर आरक्षण मात्र 14%दिया जा रहा हैं साथ ही साथ जिला रोस्टर में अभी भी आरक्षण शुन्य हैं।जिस भी दल की सरकार बनी सभी ने अपने चुनावी घोषणा पत्रों एवं चुनावी वादों में आरक्षण की बात तो किया परंतु आज तक आरक्षण में सुधार नहीं किया।यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है इस देश में पिछड़े वर्गों की आबादी 55% से ऊपर है फिर भी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण नहीं दिया जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि पिछड़े वर्गों की जनगणना भी नहीं कराया जा रहा है इसके लिए पिछड़ा वर्ग के सांसद,विधायक,पूर्व सांसद,पूर्व विधायक के साथ राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता जो दलगत भावना से ऊपर उठकर पिछले वर्गों को संगठित एवं जागरूक करने में अपना समय नहीं देते हैं वे सभी जिम्मेदार हैं। संथाल परगना पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा सबों से अपील करता है कि अपने अधिकारों के लिए दलगत भावना से ऊपर उठकर संगठित होकर संघर्ष करें तभी अधिकार प्राप्त होगा लोकतंत्र में जनसंख्या बहुत ही महत्व रखता हैं।

श्रद्धासुमन अर्पण करने वालों में संथाल परगना पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय संरक्षक राधेश्याम वर्मा, उपाध्यक्ष प्रेम केसरी,प्रधान महासचिव संदीप कुमार जय बमबम,जितेंद्र कुमार साह, किशोर प्रसाद साह,अशोक भगत, विजय कुमार,जतिन कुमार, मनोज भालोटीया, ऋषभ कुमार, राजकिशोर आदि शामिल हुए।

रिसर्च शैक्षणिक विकास व राष्ट्रीय उत्थान की रीढ़ होती है: डॉ विनोद कुमार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शर्मा ने जे जे एस (डिग्री) कॉलेज, मिहिजाम व टूकान बेंगलोर के संयुक्त तत्वाधान में ₹इनोवेटिव, साइंटिफिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट₹ विषय पर आयोजित एक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि रिसर्च शैक्षणिक विकास व राष्ट्रीय उत्थान की रीढ़ होती है। नये सोच व सतत शोध प्रयास से जीवन में अद्वितीय सफलता मिलती है । वैज्ञानिक शोध की सार्थकता तभी है जब प्रतिदर्श आधारित आकड़ों का सामान्यीकरण किया जा सके। शोध हमेशा फील्ड आधारित अनुभवजनित, स्मार्ट व सीमाओं में बंधा होना चाहिए। साथ ही शोध की विश्वसनीयता व वैद्यता को ध्यान में रखकर शोध अध्ययन की प्रवृत्तियों की बहुलता होनी चाहिए न कि जैसे- तैसी काम चलाऊँ तरीके से शोध करने

की नीयत विकसित करने चाहिए । ऐसा होने से शोध गुणवत्ता में गिरावट आती है । दूसरे सत्र के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ शर्मा ने किया जिसमें करीब 25 शोधार्थियों ने पेपर प्रस्तुत किया । डॉ विनोद कुमार शर्मा ने पेपर में शोध गुणवत्ता की कमियों को प्रति जहाँ बेहतर करने का सुझाव दिया वही विश्वगुरु के लिए शोध कितना आवश्यक है इस बात पर भी बल दिया । प्राचार्य डॉ कृष्ण मोहन साह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से स्टूडेंट्स हिस्सा लिए । डॉ राकेश रंजन ने मंच संचालन किया तथा धन्यवाद ज्ञापन पंकज साह ने किया ।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी लोगों की समस्या, दिया समाधान का आश्वासन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उपायुक्त के कार्यालय कक्ष में उपायुक्त का साप्ताहिक जनता दरबार लगा।उपायुक्त ए दोड्डे ने जिले के विभिन्न प्रखंडो से जनता दरबार में आए लोगों ने बारी बारी से अपनी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया एवं अश्वासन दिया गया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए समाधान किया जायेगा। फरियादियों की समस्याओं को लिखित आवेदन के माध्यम से प्राप्त कर उन्हें संबंधित पदाधिकारियों को निवारण को लेकर अग्रसारित किया गया। जनता दरबार में स्थानान्तरण से , राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन, बिरसा आवास योजना, एवं जमीन कब्जा जैसे कई अन्य मामले लेकर जनता दरबार में लोग पहुंचे।

डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया से बचने के लिए उपायुक्त ने की जिलेवासियों से खास अपील

कहा डेंगू से निपटने के लिए संडे को ड्राई डे के तौर पर मनाएं

पाकुड़/झारखंड देखो।

डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया से बचने के लिए उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने जिले के सभी लोगों से एक खास अपील की है। उपायुक्त ने अपील करते हुए कहा है कि डेंगू से निपटने के लिए संडे को ड्राई डे के तौर पर मनाएं। ड्राईडे यानी रविवार को पानी के बर्तनों मसलन टंकियां, घड़े, कूलर और कंटेनर को खाली करें। इसके अलावा उपायुक्त ने सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग अवश्य करने की सलाह दी है। वहीं उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे इस दिशा में और अधिक प्रभावी ढंग से कदम उठाएं जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों

नगर परिषद प्रशासक को शहर के सभी वार्डों में फोगिग का दिया निर्देश

को पनपने से रोका जा सके। उपायुक्त ने बताया कि सरकार के द्वारा भी डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाए गए है। इसी के तहत डीपीएचएल साहेबगंज, डीपीएचएल दुमका व डीपीएचएल गोड्डा पीड़ित रोगियों की मुफ्त जांच व प्रबंधन की व्यवस्था की गई है। उपायुक्त ने बताया की जिला प्रशासन द्वारा रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाया गए है। पाकुड़ जिले के मरीजों के जांच हेतु नमूना संग्रह कर निकटतम जिला दुमका व गोड्डा भेजा जा रहा है। इसके अलावा कार्य दल गठित कर घर- घर जाकर घर के अंदर मच्छरों के प्रजनन स्थल की पहचान कर उसे नष्ट करने का कार्य किया गया है। इसके अलावा लोगों को भी डेंगू चिकनगुनिया और मलेरिया से बचाओ के लिए उन्होंने जागरुक किया गया है। वही उपायुक्त ने सिविल सर्जन को निर्देश देते हुए कहा है कि जिले के सभी प्रखंडों में लगातार डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया से बचाव के लिए जागरुकता कार्यक्रम चलाए जाए। इसके अलावा नगर परिषद प्रशासक से भी शहर में जागरूक कार्यक्रम चलाने के साथ-साथ शहर के सभी वार्डों में फॉगिंग करने का निर्देश दिया है।

संक्षिप्त समाचार

केंद्र के एनडीए सरकार में हो रहा है घोर भ्रष्टाचारः राजेश रंजन

- कहां मोदी के नाक के नीचे हो रहा है घोटाला

पाकुड़/झारखंड देखो। प्रदेश कांग्रेस पार्टी के महासचिव सह पाकुड़ जिला प्रभारी पूर्व विधायक रहे राजेश रंजन ने कहा कि केंद्र कि एनडीए सरकार में सीएजी रिपोर्ट के अनुसार भ्रष्टाचार में सनलिप्त है। श्री रंजन शुक्रवार को पाकुड़ कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में बातें कहीं। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की संरक्षण में धांधलीय और घोटाला हो रहा है। भारत माला प्रोजेक्ट की बिल्डिग प्रक्रिया में फर्जीवाड़ा कर उसकी लागत 100% बढ़ा दी गई द्वारिका एक्सप्रेस वे में भारी धांधली कर सड़क बनाने की कीमत 18 करोड़ प्रति किलोमीटर से 250 करोड रुपए प्रति किलोमीटर पहुंच गई। आयुष्मान भारत में मिर्च लोगों को जीवित दिखाकर भुगतान किया गया और एक ही नंबर से 7.5 लाख लाभार्थियों को जोड़कर फर्जीवाड़ा किया गया। अयोध्या डेवलपमेंट प्रोजेक्ट में ठेकेदारों के गले से अनुचित लाभ पहुंचाने का कम हुआ है तो न्यूमैन का उल्लंघन कर गलत तरीके से यात्रियों से 132 करोड रुपए वसूले गए हैं। पार्टी महासचिव ने कहा कि ने सीएजी ने बताया कि ग्रामीण विकास मंत्रालय ने अपनी पेंशन योजनाओं के दो करोड़ 83 लख रुपए केंद्र की योजनाओं के प्रचार में खर्च कर दिए इस पेज से तीन पेंशन चलती है बुजुर्ग दिव्यांग और विधवा पेंशन। उन्होंने कहा कि जिससे झूठी ईमानदार छवि का गला फाड़ कर प्रधानमंत्री दम भरते हैं वह दोस्त हो चुकी है मोदी सरकार की घोटाले की घोटाले हैं और पूरा सच देश के सामने आ रहा है लोग मोदी के भ्रष्टाचार के बारे में बात करने लगे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस जिला अध्यक्ष कुमार सरकार, मनोहर सिंह, प्रदेश सचिव समीरुल इस्लाम, साइन परवेज, मांसारुल हक मौजूद थे।

बीडीओ ने बीएलओ के साथ समीक्षा बैठक की

पाकुड़/झारखंड देखो। हिरणपुर प्रखंड सभागार में शुक्रवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी उमेश कुमार स्वांसी ने घर-घर सर्वे हेतु चलाए गए अभियान का समीक्षा सभी बीएलओ से किया। सभी बीएलओ ने बारी-बारी से अपने बुथ का अद्यतन प्रगति से अवगत कराया। बीडीओ ने कहा कि घर-घर सर्वे कार्य को ऑनलाइन करना अतिआवश्यक है, जिसे दो दिनों में शत-प्रतिशत करना है। यदि कि- सी बीएलओ को इंटरनेट संबंधित दिक्कत हो तो प्रखंड कार्यालय से प्रतिवेदन ऑनलाइन करेंगे। इसके अतिरिक्त श्याम-श्वेत एवं धुंधला फोटो को रंगीन फोटो में परिवर्तित प्रमुखता से करेंगे। सभी बीएलओ से एएमएफ अपडेट की जानकारी भी ली गई। सभी बीएलओ के द्वारा बताया गया कि उन्होंने एएमएफ को अपडेट कर दिया है। साथ ही नाम जोड़ने, हटाने एवं सुधार करने हेतु मतदाताओं की विवरणी ऑनलाइन करने का निर्देश प्रखंड विकास पदाधिकारी ने दिया। मौके पर पर्यवेक्षक रामकुमार साह, ट्विंकल चौधरी, सूर्या मालतो, रवि रंजन, कम्प्यूटर सहायक राहुल दत्ता एवं अन्य उपस्थित थे।

जनता दरबार में लोगों ने रखी समस्याएं डीसी ने समाधान का दिया आश्वासन

जिला अन्तर्गत लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द करें समाधानः उपायुक्त

पाकुड़/झारखंड देखो।

आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल के द्वारा समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान जमीन से संबंधित, शिक्षा विभाग, आपूर्ति विभाग, समाज कल्याण विभाग से एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के

रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

तेज रफ्तार ट्रक असंतुलित होकर मारी पलटी

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)/झारखंड देखो। सिमलोंग ओपी क्षेत्र के घरमपुर सिमलोंग एनएच 33 लालबांध के समीप शुक्रवार भोर को एक तेज रफ्तार ट्रक असंतुलित होकर सड़क से लगभग दस फिट नीचे जाकर पलट गया. हालांकि घटना में चालक और उपचालक को किसी प्रकार को चोट नही आई है. मिली जानकारी के अनुसार ट्रक गोड्डा की ओर से सिमलोंग के रास्ते हिरणपुर थाना क्षेत्र के पत्थर क्रेशर से गिट्टी लोड करने आ रहा था कि लालबांध पुल के समीप चालक को झपकी आने के कारण ट्रक असंतुलित होकर सड़क से नीचे जाकर पलट गया. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया.

अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ वोटिंग सम्पन्न

पाकुड़िया (पाकुड़)। प्रखंड के मोंगलाबांध पंचायत में उप मुखिया सखिन खातून के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ वोटिंग शुक्रवार सम्पन्न हुआ। अनुमंडल पदाधिकारी हरिबंश पंडित द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी चंदन कुमार , पंचायत राज पदाधिकारी त्रिदीप कुमार शील , सहायक अभियंता सह पर्यवेक्षक रोहित गुप्ता की देखरेख में वोटिंग संपन्न हुआ । वोटिंग में 13 वार्ड सदस्य में 12 वार्ड सदस्य पहुंचे और वोटिंग किया । जिनमें दो अवैध और दस वैध मत हुआ । दस वैध मत में नौ मत अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में तथा एक मत विरोध में मतदान किया । इस तरह पंचायत राज अधिनियम 2001 के आलोक में उप मुखिया के विरुद्ध वोटिंग के साथ अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया।जबकि नए उप मुखिया का चयन होना अभी बाकी है।

स्वास्थ्य सहिया की दो कलक्टर की बैठक संपन्न

पाकुड़िया (पाकुड़)

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़िया परिसर स्थित नव निर्माणाधीन भवन में शुक्रवार को के टी एस संजय मुर्मू की अध्यक्षता में दो कलस्टर पाकुड़िया एवं तालवा स्वास्थ्य सहियाओ की बैठक की गई। बैठक में स्वास्थ्य सहिया की एचबीएनसी, एचबीवाईसी टीकाकरण एवं जेएसवाई आदि कार्यों की चर्चाएं की गई। इसके अलावे स्वास्थ्य सहियाओं द्वारा मासिक प्रपत्र जमा किया गया। इस अवसर स्वास्थ्य कर्मी शिवशंकर कुमार , रविन्द्र मुर्मू एवं स्वास्थ्य सहिया उपस्थित थी।

जिला खनन टास्क फोर्स की टीम ने की कार्रवाई

पाकुड़/झारखंड देखो।

मटियाचुआं मौजा में अनाधिकृत रूप से लगभग 25,000 घनफुट तोड़े हुए बोल्डर के भंडारण को जब्त कर, पाकुड़िया थाना में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित के नेतृत्व में पाकुड़िया अंचल स्थित खनन पट्टों की जाँच की गई। जाँच के क्रम में मटियाचुआं मौज़ा में अनाधिकृत रूप से लगभग 25,000 घनफुट तोड़े हुए बोल्डर का भंडारण पाया गया। आसपास के लोगों से पुछताछ की गई, लोगों द्वारा बताया गया कि बोल्डर को तोड़कर स्थानीय मजदूरों द्वारा मेंटल तैयार किया जाता है। उक्त स्थल पर भंडारण अनुज्ञप्ति किसी

भी व्यक्ति को स्वीकृत नहीं है। इस प्रकार पत्थर को जब्त किया गया है जिसे स्थानीय चोकीदार एवं ग्राम प्रधान के देखरेख हेतु अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा निदेशित किया गया है एवं उक्त अवैध भंडारण के बाबत जिला खनन पदाधिकारी के द्वारा पाकुड़िया थाना में प्राथमिकी दायर की गई है जिसका कांड संख्या 29/23 है। पाकुड़िया थाना प्रभारी के द्वारा जांच की कार्रवाई की जा रही है। साथ में जिला खनन टास्क फोर्स टीम में जिला खनन पदाधिकारी, खान निरीक्षक, अंचलाधिकारी पाकुड़िया एवं थाना प्रभारी पाकुड़िया शामिल थे।

काँवरियों का जत्था गाजेबाजे की टोली के साथ रवाना

पाकुड़िया (पाकुड़)

हर साल की भांति इस साल भी काँवरिया सेवा समिति पाकुड़िया के तत्वावधान में प्रखंड भर के काँवरियों का जत्था शुक्रवार को पाकुड़िया बाजार से रघुनाथगंज,जंगीपुर गंगाघाट के लिए बस द्वारा गाजेबाजे की टोली के साथ रवाना हुआ । रवाना के पूर्व सैकड़ों की संख्या में काँवरिया पाकुड़िया रामसीता मन्दिर में इकत्रित हुए तथा मंदिर में माथा टेक कर हर हर महादेव,बोल काँवरिया बोलबम की जयकारा लगाते हुए प्रस्थान किया । जत्था में पुरूष से अधिक महिलाओं की संख्या देखी गयी । सभी काँवरिया शनिवार को रघुनाथगंज ,प.बंगाल गंगाघाट से जल उठाकर पाकुड़िया के लिए पैदल प्रस्थान करेंगे, रविवार की शाम को पाकुड़िया पहुँचेंगे तथा अंतिम सोमवारी को पाकुड़िया स्थित शिवालय में जल अर्पित करेंगे । इस दरमियान काँवरिया रविवार को बुढ़ाबाबा शिवमंदिर महेशपुर में जल अर्पित कर विश्राम एवं भोजन करेंगे । रघुनाथगंज से पाकुड़िया पहुँचने तक काँवरिया सेवा समिति पाकुड़िया की ओर से रास्ते में जगह जगह पर काँवरियो के लिए विश्राम, जलपान एवं भोजन की व्यवस्था रखी गयी है । यह व्यवस्था यहाँ सदियो से चली आ रही है तथा परम्परा के अनुसार हर साल श्रावण के अंतिम सोमवारी को पाकुड़िया प्रखण्ड के सैकड़ो लोग रघुनाथ गंज गंगाघाट से जल उठाकर पाकुड़िया शिवालय में जल अर्पित करते हैं । पूरे रास्ते में डीजे की व्यवस्था रहती है तथा बोलबम के गीतों की धुन बजते रहती है ।

पिछड़ा महासम्मेलन का मंच अचानक अखाड़े में हुआ तब्दील, जमकर चली कुर्सियां, युवक ने दिखाया तलवार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हू इंडोर स्टेडियम में शुक्रवार को पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के जिला स्तरीय पिछड़ा महासम्मेलन सह विचार गोष्ठी के दौरान आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद जमकर हंगामा हुआ। कार्यक्रम में भाषण के दौरान पूर्व सांसद सूरज मंडल द्वारा आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बारे में की गयी आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद बवाल मचा। लालू प्रसाद यादव को लेकर सूरज मंडल द्वारा की गयी टिप्पणी के बाद गोड्डा से आरजेडी के पूर्व विधायक संजय प्रसाद यादव नाराज हो गए और मंच से उठकर चले गए। इस दौरान पूर्व विधायक के समर्थकों एवं ओबीसी से जुड़े लोगों ने खूब हंगामा किया और पूर्व सांसद सूरज मंडल को बीजेपी का एजेंट बताया। हंगामा कर रहे लोगों ने पोडियम और कुर्सियां फेंक दी और सूरज मंडल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एक समर्थक हवा में तलवार लहराता दिखा। सभी पूर्व सांसद के बयान से आक्रोशित थे और उन्हें मा×फी मांगने की मांग कर रहे थे।माहौल बिगड़ता देख मौके पर पुलिस को सूचना दी गयी। मौके पर एसडीपीओ नूर मुस्तफा पुलिस बल के साथ पहुंचे।बाद में सूरज मंडल के मा×फी मांगने और कार्यक्रम से निकल जाने के बाद हंगामा शांत हुआ।दरअसल हंगामा तब शुरू हुआ जब पूर्व सांसद सूरज मंडल कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का उदघाटन भी सूरज मंडल ने ही किया था। अपने सम्बोधन के दौरान सूरज मंडल ने सूबे के सीएम हेमंत सोरेन के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की। फिर लालू प्रसाद यादव के बारे में भी टिप्पणी की जिससे वहाँ मौजूद पूर्व विधायक संजय यादव और ओबीसी समाज से जुड़े कई लोगों नाराज हो गए।बाद में मीडिया से बात करते हुए सूरज मंडल ने कहा कि मैंने अलग झारखण्ड राज्य के गठन के दौरान लालू प्रसाद यादव द्वारा कही गयी बातों का जिक्र किया था जब लालू यादव ने कहा था कि मेरी लाश पर झारखण्ड बनेगा। सूरज मंडल ने कहा कि मैंने भी उस वक्त कहा था कि इंदिरा मरी निवास में, राजीव मरा मद्रास में, संजय मरा आकाश में, लालू मरेगा चास में और झारखण्ड होगा उसकी लाश में। हमने कहा था कि गज दे दो लेकिन नहीं दिया तो पूरा थान चला गया। यह सिर्फ उदाहरण के तौर पर मैंने कहा था, किसी के खिलाफ मैंने ये बातें नहीं कही। उन्होंने कहा कि आज बिहार के लोग रोते है। कोई भी बिहार के लीडर के पार्टी के साथ रहेगा हम उसके साथ नहीं रहेंगे। कहा कि पिछड़ो की लड़ाई के लिए हम लड़ते रहेंगे लेकिन ऐसे लोगों का विरोध करेंगे जो सीएम के इशारे पर काम करता है।इधर पूर्व विधायक संजय यादव ने कहा कि लालू यादव ने ओबीसी की हक की लड़ाई लड़ी है। दुमका जिला का आरक्षण खत्म कर दिया गया। हमारी लड़ाई सरकार से है। चुनाव के वक्त सीएम हेमंत सोरेन ने इन मुद्दों को अपने एजेंडे में रखा था। कहा कि ओबीसी से जुड़े लोगों को उनके हक व अधिकार के लिए हमलोग जगाने का काम कर रहे है लेकिन कुछ लोग राजनीति से प्रेरित होकर या आनेवाले चुनाव को देखते हुए बीजेपी के एजेंट के रूप में काम कर रहे है। ऐसे लोग कुछ ना कुछ आपत्तिजनक टिप्पणी कर ओबीसी को भड़काना चाह रहे है लेकिन दुमका के लोगों ने आज ऐसे लोगों का डटकर मुकाबला किया। हमारे नेता के बारे में कोई आपत्तिजनक टिप्पणी करें तो इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।कहा कि हम अपने अधिकार के लिए तब तक लड़ेंगे जब तक मुकाम नहीं मिल जाता।

उन्होंने कहा कि पिछड़ो की हक व अधिकार के बारे में बात करनेवाले बीजेपी के वैसे नेताओं का हम स्वागत करेंगे लेकिन जो एजेंट और आरएसएस और बीजेपी की सिर्फ बात करेगा तो हम उसका स्वागत नहीं करेंगे।

उपायुक्त ए दोड्डे की अध्यक्षता में संपन्न हुई शिक्षा विभाग की बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ए दोड्डे की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक अयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त द्वारा जिला स्तर पर शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालय की संख्या एवं संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की गई। बैठक में उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को कई आवशयक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सकारात्मक दिशा में बढ़ाने के लिए सशक्त पहल है वर्तमान समय में शिक्षा में गुणात्मक सुधार की अति आवशयकता है। इस दौरान उपायुक्त ने ई- विद्या वाहिनी में शत प्रतिशत डाटा अपडेट करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी शिक्षको एवं बच्चों की उपस्थिति ई विद्या वाहिनी पोर्टल पर दर्ज हो। उन्होंने कहा कि सभी बीईओ अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत सप्ताह में 3 दिन स्कूलों का निरीक्षण करेंगे तथा विद्यालय में संचालित शौचालय,पेयजल एवं विद्युत की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट तैयार कर जिला को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि विद्यालय निरीक्षण के क्रम में सभी ध्यान देंगे की विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति,खाना की गुणवत्ता(मेन्यू अनुसार), यूनिफॉर्म, किताब वितरण एवं रजिस्टर संधारित करने संबंधी रिपोर्ट जिला को देंगे। उन्होंने कहा कि विद्यालय से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी प्रकार की त्रुटि है तो जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधिक्षक मिलकर त्रुटियों का सुधार करेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाएं। जिसमें समय समय पर निरीक्षण की तस्वीरें एवं रिपोर्ट साझा करेंगे। इसके अतिरिक्त बैठक में प्रखंडवार नामांकित / आच्छादन, चावल उठाव एवं वितरण ,मध्याह्न भोजन योजनान्तर्गत पोषण वाटिका (किचेन गार्डेन),प्रखण्ड स्तर पर स्टीयरिंग - सह - मॉनीटरिंग कमिटि की बैठक,मध्याहन भोजन का मेनू,पी०एम०पोषण योजनान्तर्गत विद्यालयों को हाईट एड वेट रिकॉर्डर उपलब्ध कराने से संबंधित जैस विषयों पर चर्चा की गई।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधिक्षक, सभी प्रखंड के प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे।

नए प्राचार्य डॉ अमर दास ने अपना योगदान दिया

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के अंतर्गत डिग्री कॉलेज फतेहपूर (नाला) के नए प्राचार्य डॉ अमर दास ने अपना योगदान दिया। सिदो कान्हो मूर्मू विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति डॉ विमल प्रसाद सिंह के मिलकर पुष्प गुच्छ भेंट किया जिसमें मुख्य रूप से कुलसचिव डॉ संजय कुमार सिन्हा, विश्वविद्यालय के पिआरो प्रो दीपक दास एवं झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविन्द्रनाथ महतो के प्रतिनिधि की ओर से मनीष यादव ने विधानसभा अध्यक्ष के अथक प्रयास से नए डिग्री कॉलेज फतेहपूर (नाला) खुलने पर कुलपति को धन्यवाद दिया।

शराब के अवैध कारोबार पर हंसडीहा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, गुप्त सूचना पर 64 पेटी अवैध शराब जब्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शुक्रवार को शराब के अवैध कारोबार पर हंसडीहा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है।थाना प्रभारी रोहित कुमार के नेतृत्व में हंसडीहा पुलिस ने तस्करी के लिए बिहार भेजी जा रही शराब की बड़ी खेप को जब्त किया है।बताते चलें कि दुमका के नये पुलिस कप्तान पीतांबर सिंह खेरवार लगातार रात्रि के समय क्षेत्र भ्रमण कर रहे हैं जिससे सभी थानों की पुलिस भी चौकन्ना रहने लगी है।शुक्रवार की अहले सुबह हंसडीहा पुलिस को गुप्त सुचना मिली कि देवघर रोड से पिकअप वाहन संख्या -बीआर 10 जीबी -1036 में शराब की बड़ी खेप हंसडीहा की ओर आ रही है। सूचना मिलते ही हंसडीहा थाना में प्रभारी रोहित कुमार स्वयं हंसडीहा चौक पर पुलिस बल के साथ पिकअप वाहन को पकड़ने के लिए मौजूद रहे।कुछ ही देर बाद एक पिकअप वैन को देवघर रोड से आता देख रुकने का इशारा किया गया।पिकअप को रोककर तलाशी ली गई तो पिकअप में 64 पेटी शराब पायी गई।शराब की पेटी को छुपाने के लिए 25 पैकेट पशु आहार पेटी के ऊपर रखकर ऊपर से तिरपाल से ढक दिया गया था। मामले में पिकअप वाहन को शराब सहित जब्त करते हुए चालक की गिरफ्तारी कर लिया गया।पूछताछ में चालक ने बताया कि देवघर रोड के कोठिया टोल प्लाजा से आगे लाइन होटल में दूसरी पिकअप वाहन से लाकर उक्त शराब बीआर10 जीबी-1036 में लोड किया गया था और हंसडीहा तक पहुंचाने के लिए किराये के तौर पर 1300 रू देने की बात हुई थी। पिकअप वाहन से रेड डाट की 175 एम एल की 13 पेटी में 156 बोतल,375 एम एल की 24 पेटी में 576 बोतल,180 एम एल की 27 पेटी में 1296 बोतल और 25 पैकेट 50 किलो ग्राम प्रति पैकेट का कपिला पशु आहार जब्त किया गया।

पिछड़ा वर्ग महा सम्मेलन सह विचार गोष्ठी का आयोजनं

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पिछड़े वर्ग के मसीहा वीपी मंडल के 106 वीं जयंती के मौके पर पिछड़ा वर्ग महा सम्मेलन सह विचार गोष्ठी का आयोजन दुमका के इंडोर स्टेडियम में किया गया था।उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि लालचंद महतो, पूर्व मंत्री सह पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि सूरज मंडल, संजय यादव पूर्व विधायक गोड्डा व राजेन्द्र प्रसाद मूलवासी संघ के नेता, ने मंगल दीप जलाकर समारोह का विधिवत प्रारंभ किया। विभिन्न प्रखंडों से अलग-अलग रास्ते से हजारों बाइक लेकर जुलूस की शक्ल में कार्यकर्ता सभा स्थल पहुंचे थे। सभा स्थल एवं उसके बाहर भी कार्यकर्ताओं का हजूम उमड़ा था।कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष माधव चन्द्र महतो, मंच संचालन जिलाध्यक्ष जयप्रकाश यादव और धन्यवाद ज्ञापन केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष असीम मंडल ने किया।आगत अतिथियों को जिला परिषद दुमका के उपाध्यक्ष सुधीर कुमार मंडल ने स्वागत वक्तव्य के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया।विषय प्रवेश कराते हुए मोर्चा के केंद्रीय प्रधान महासचिव डॉ अमरेन्द्र यादव ने कहा की हमारे सांविधानिक अधिकार के तहत 27 % आरक्षण मिला था वर्तमान में राज्य में मात्र 14 % और दुमका जिला में शून्य कर दिया गया है। पिछड़े वर्ग का जाति जनगणना कर हमें आबादी के अनुरूप आरक्षण दिया जाय। पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य व मूलवासी नेता राजेन्द्र प्रसाद ने तामिलनाडु के जैसे 70 % आरक्षण झारखंड में भी लागू किया जा सकता है, परन्तु उसे नौवी अनुसुची में डालने का अनुसंशा एक साजिश है। उन्होंने बिहार के तर्ज पर खतियानी आरक्षण के साथ साथ जाति जनगणना कर झारखंड के पिछड़े को 36 से 50 % आरक्षण देने की मांग किया।पूर्व विधायक गोड्डा सह पिछड़ा वर्ग के नेता संजय प्रसाद यादव ने एलान किया की पिछड़ों के हक और अधिकार दिलाने की हर लड़ाई में आगे रहेंगे। झारखंड सरकार ने किसानों को आरक्षण देने का वादा किया था पिछड़ा का हक दिलाने के लिए हम लोग सरकार को भी जगाने का काम करेंगे।

लालचंद महतो ने झारखंड में बाबूलाल मरांडी और अर्जुन मुंडा को पिछड़ों का आरक्षण 27% से 14% घटाने की मुल साजिशकर्ता बताया। उन्होंने बताया कि राज्य पिछड़े आयोग के सदस्य के रुप में तामिलनाडु और ओडिशा का सफर कर हमने झारखंड सरकार को पिछड़े और दलित वर्ग के लिए 73% आरक्षण देने का रिपोर्ट सौपा था,जिसे सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में 50%और एडहक 23% देने के निर्णय के विपरित पिछड़े वर्ग पर ही चोट किया, उन्होंने तत्काल जाति जनगणना कर आबादी के अनुरूप नौकरी में तथा पंचायत से संसद तक का आरक्षण निर्धारित करने की लड़ाई में पिछड़ों को एकजुट होने का आ''ान किया। देवघर के पप्पु राउत, अजीत मांझी, सुरेंद्र यादव इंद्रकांत यादव रामकुमार दर्वे, दिलीप सोनी, सीताराम मंडल, त्रिवेणी वर्मा ने उदगार व्यक्त किया। सभा को दिवाकर महतो, जियाधर मंडल, अर्जुन पंडित,अजित मांझी, अशोक मांझी, प्रदीप सिंह, सुवल महतो ,सुवास मंडल, पवित्र मंडल, जयकांत जयसवाल, रंजित जयसवाल, अशोक मंडल, ईन्द्रकात यादव, नारायण बैद ,गौतम दर्वे , आनंदी राऊत, रणधीर राय ने ने भी सभा को संबोधित किया।

प्रेम

प्रेम,
धरा की सोंधी मिट्टी है,
मन की अभिव्यक्ति है,
भावनाओं की चिट्ठी है,
जिसके आभा स्पंदन से,
होकर मस्त मगन,
धरती और गगन,
खातिर वतन के लोग,
देने को कुर्बानी यहाँ,
हो जाते तत्पर तैयार है ।

प्रेम, जमजमे आब है,
पावन गंगाजल है,
अमृत सुधा है
जिसे छूकर,
थोड़ा पीकर,
जीवन धन्य हो जाता है,
मानों मन मोक्ष प्राप्ति को,
तत्क्षण अग्रसर हो जाता है ।

प्रेम, ग़र धूप और छाँव का मेल है,
तो त्याग-समर्पण का खेल है,
वर्षों की तपस्या है,
जिसे पाना कठिन है तो,
आंगन में उसके जीना,
उतना ही सरल है,
मनभावन है, सावन है,
स्वर्णिम क्षण पल- पल है ।

प्रेम, अमर - ज्योति है,
प्रकाश पुंज है,
जिसके चमक से,
दमक से,
जीवन आनंदित होता है,
जहाँ,
गमों से दूर तलक,
नही कोई वास्ता होता है,
हौसले उड़ान भरते है तो
मन सदैव प्रफुल्लित रहता है ।

प्रेम, संजीवनी बूटी है,
दर्दे दिल का इलाज है,
समस्याओं की सुरसा का भी,
हाथों इसके संभव समाधान है,
बंदूक इसके आगे पंगु,
लेखनी जिसके नतमस्तक,
जहाँ गुलिस्तां पे कब्जा को,
प्रेम का ढ़ाई अक्षर ही,
ऐतवार का काफी होता है ।

प्रेम, संवेग है,
आवेग है,
तड़पन है,
विरह- वेदना का संधि- समास है ,
दो प्राकृत आत्माओं का,
मेल है,
याचना है,
आलिंगन है,
जहाँ न कोई स्वार्थ साधना है,
न वासना का कोई स्थान है,
न भौतिक सुख सुविधा का,
प्रकट- अप्रकट क्रंदन है,
सिवाय सार शय अभिनंदन के,
चाहत का चंदन है,
आत्मिक वंदन है, अभिनंदन है ।

प्रेम, नही दिखावा कोई,
न कोई इसकी सीमित सीमा,
सागरों से भी गहरा,
अर्थ विश्लेषण तो,
पशुओं में भी देखो,
वफ़ा के आचरण है तो ,
पंक्षी गाते उन्मुक्त गीत गरीमा है,
जहाँ प्रेम में बेसुध मुस्कुराते ,
गगन में सूर्य ,चंद्रमा तो,
खिलखिलाते चमन में फूल है ।

प्रेम, गम की दवा है,
दिल की दुआ है,
अनुभवों की एहसास दिलाती,
संदेश पहुँचाती हवा है,
मन मन्दिर में अच्चाइयों का,
जलता एक दीया है,
औरों की सलामती की,
परिशुद्ध कामना है,
मिटाकर द्वेष तमाम,
न्याय व इंसाफ़ को करता जो,
चिंतन व परिकल्पना है ।

प्रस्तुति

डॉ विनोद कुमार शर्मा
विभागाध्यक्ष
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग,
सिकामु विवि, दुमका ।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता दुबराज मंडल ने नारायणपुर प्रखंड क्षेत्र में चलाया जनसंपर्क अभियान

संवाददाता/जामताड़ा। जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र के पबिया टीचर ट्रेनिंग कॉलेज पबिया में 27 अगस्त को होने वाले संकल्प यात्रा को लेकर भाजपा वरिष्ठ नेता दुबराज मंडल ने नारायणपुर प्रखंड के कालीपहाड़ी, सहारपुर, शिमला आदि गांवों में जनसपर्क अभियान चलाया गया, बताते चले की पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी एक जनसभा को पबिया मंडल के टीचर ट्रैनिंग कॉलेज से संबोधित करेंगे, जिसकी त्यारी अंतिम चरण पर है। इसी निमित्त कार्यक्रम में भाजपाइयों के महान जुटान को लेकर भाजपा नेता दुबराज मंडल के नेतृत्व में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।, मौके पर मंडल ने कहा की प्रदेश के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का आगमन जामताड़ा विधानसभा में होने जा रहा है। जिसकी तैयारी के लेकर जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहे हैं आगे मंडल ने कहा कि पविया टीचर ट्रेनिंग कॉलेज से विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों के समक्ष रखेंगे। वही मौके पर मितेन गोराई, पवन मंडल, राजेश मंडल आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पूर्व सैनिक संगठन के सदस्यों ने शिविर लगाकर किया कांवरियों की सेवा

देवघर। श्रावणी मेला के दौरान बाबा नगरी देवघर पहुंचने वाले कांवरिया श्रद्धालुओं की सेवा के लिए जिला के विभिन्न संगठन शिविर लगते हैं और निशुल्क शर्बत,पानी सहित अन्य व्यवस्थाओं को उपलब्ध करवाते हैं।इसी क्रम में पूर्व सैनिक संगठन देवघर के सदस्यों ने जलसार पार्क स्थित शिवराम झा चौक के निकट शिविर लगाकर कांवरिया बंधुओं की सेवा किया।इस दौरान सभी की उत्साह बॉर्डर पर डटे एक सैनिक की तरह ही था,सभी ने कांवरियों के साथ मृदुभाषी ब्यवहार कुशलता का परिचय देते हुए उन्हें पानी,शर्बत सहित शारीरिक सेवा देनें में तत्पर दिखे।इस दौरान मौके पर दिलीप सिंह,कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार,उपाध्यक्ष दीपक कुमार,त्रिपुरारी राय,उपसचिव डी के सिंह,ए के गिरी,शशि राव,प्रभाकर मिश्रा,गौतम सिंह, उपाध्यक्ष दीपक कुमार,कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार सहित संगठन के दर्जनों सदस्यों ने अपनी महती भूमिका निभाई।मौके पर उपाध्यक्ष दीपक कुमार ने कहा कि यह हम लोगों का सौभाग्य है,देश की रक्षा के लिए बॉर्डर पर सेवा करनें के बाद अब बाबा के भक्तों की सेवा करने का मौका मिला है।इसकी जानकारी कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार ने दी।

MDA के तहत कुंडहित मुख्यालय स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में छात्र-छात्राओं को खिलाया गया फाइलेरिया रोधी दवा

कुंडहित(जामताड़ा)। राष्ट्रीय भेक्टर जनित रोग नियंत्रण के तहत फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का संचालन कुंडहित प्रखंड में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा मुख्यालय स्थित माडर्न पब्लिक स्कूल पहुंचकर छात्र-छात्राओं को डीईसी व अल्बेंडाजोल का टैबलेट वितरित किया गया। दवा वितरण टीम द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाया गया। आपको बता दें कि फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत गर्भवती माता, 02 वर्ष से कम उम्र के बच्चों एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को छोड़कर प्रखंड के सभी लोगों को दवाई दी जा रही है। मौके पर प्रभारी बीपीएम सलीम खान ने फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत दिए जा रहे एल्बेंडाजोल तथा डीईसी दवा खाने की अपील की ताकि फाइलेरिया का चैन टूटे और फाइलेरिया का नया मरीज ना हो सके। मौके पर विधालय के प्रधानाचार्य भजहरी मंडल के अलावे काफी संख्या में शिक्षक एंव छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

आगामी 26 अगस्त को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को लेकर बाबुपुर मोड़ में भाजपाइयों ने तैयारियों का लिया जायजा

कुंडहित (जामताड़ा)। आगामी 26 अगस्त को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को लेकर बाबुपुर मोड में भाजपाइयों द्वारा तैयारियों का जायजा लिया गया। आपको बता दें कि आगामी 26 अगस्त 2023, को दोपहर 3 बजे नाला प्रखंड स्थित बाबा देवलीश्वर मंदिर प्रांगण में झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी संकल्प यात्रा कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। जिसको लेकर शुक्रवार को भाजपा जिला उपाध्यक्ष अनूप यादव, कुंडहित मंडल अध्यक्ष सजल दास, भाजयुमो कुंडहित मंडल अध्यक्ष अरुप मंडल आदि ने यात्रा मार्ग के बाबूपुर मोड़ पर भव्य स्वागत को लेकर बाबुपुर मोड पहुंच कर तैयारी का जायजा लिया। इस दौरान भाजपा कुंडहित मंडल अध्यक्ष सजल दास ने बताया कि आगामी कल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का आगमन विधानसभा क्षेत्र में होने वाला है इसी के निमित्त बाबूलाल मरांडी के आगमन के पूर्व संध्या बाबुपुर मोड पहुंच कर तैयारी का जायजा लिया गया। बताया कि बाबुपुर मोड में प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को लेकर भव्य तोरण द्वार बनाया गया है। वही आगामी यानी शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का आकर्षक ढंग से स्वागत किया जाएगा।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

संक्षिप्त समाचार

स्कूली विद्यार्थियों ने उपायुक्त को बंधा राखी

कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को हजारीबाग स्थित नमन विद्या स्कूल के छात्र-छात्राओं ने उपायुक्त हजारीबाग नैन्सी सहाय को राखी बंधा कर मुँह मीठा किया। इस दौरान उपायुक्त ने उपस्थित छात्र/छात्राओं को रक्षा बंधन की शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने ने कहा कि विद्यार्थी पढ़-लिखकर शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति करे एवं सामाजिक बदलाव व विकास का सशक्त माध्यम बने।

मौके पर उपस्थित प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी सुलोचना मीना तथा कार्यपालक दण्डाधिकारी अदिति गुप्ता को भी विद्यार्थियों ने राखी बांध कर मुँह मीठा किया।

घायल के बयान के 24 घण्टा के अंदर सदर थाना पुलिस ने अभियुक्त को किया गिरफ्तार।

चतरा । 24 घण्टे के अंदर सदर थाना पुलिस ने घायल की बयान पर गणेश कुमार गंझुं को किया गिरफ्तार। घटना से सम्बंधित सदर थाना में किया गया मामला दर्ज। उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विगत 21 अगस्त को राजगुरूआ गाँव में एक लडका महेन्दर गंझु को गोली लगने कि सूचना सदर थाना पुलिस को प्राप्त हुई थी । सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतू वरीय पदाधिकारी द्वारा एक टीम का गठन किया गया था। घायल महेन्दर गंझु के फर्दबयान के आधार पर कांड दर्ज कर कार्रवाई करते हुए गणेश कुमार गंझुं पिता इतराज गंझु ग्राम राजगुरूआ थाना सदर जिला चतरा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की निशादेही पर प्रयुक्त किया गया हथियार बरामद किया गया है। उनके द्वारा बताया गया कि वादी महेंन्दर गंझु मेरे द्वारा हथियार के साथ छेड़-छाड के क्रम में गोली चल गई थी। जिससे यह घटना कारित हुई थी।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार एक देशी कट्टा और एक बुलेट बरामद किया गया। छापामारी पुलिस टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, चतरा अविनाश कुमार, पुलिस निरीक्षक सह सदर थाना प्रभारी मनोहर करमाली, पुलिस अवर निरीक्षक सिकेन्दर सिंकु एंव सदर थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

विधायक ने देव ऑटो मोबाइल सेंटर स्मार्ट गैरेज का किया उद्घाटन

बड़कागांव । हजारीबाग रोड स्थित रेंज ऑफिस के पास देव ऑटोमोबाइल सेंटर स्मार्ट गैरेज का उद्घाटन विधायक अंबा प्रसाद के कर कमलो फीता काटकर किया गया। प्रोपराइटर अनुज कुमार एवं संचालक मनोज कुमार ने बताया कि हमारे यहां सभी प्रकार की बाइक की मरमत सर्विसिंग एवं वाजिब कीमतों में बाइक की कल पुर्जे की बिक्री की जाएगी। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से 20 सुत्री प्रखंड अध्यक्ष हाजी तबस्सुम, प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, सुरेश महतो, राजेश यादव, गोविंद साहू, मुरली राम, विधायक प्रतिनिधि कुलेश्वर राम, बजरंग राम, संजय राम, प्रेमचंद साहू के अलावा आदि कई लोग उपस्थित थे।

अदालत में चेक फोन मामले में महिला को 1 साल की सजा सुनाई

जमशेदपुर। श्री बीके भगत प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय से अभियुक्त सोनारी एरोड्रम निवासी लक्ष्मी देवी को चेक बाउंस के मामले में 1 साल की सजा एवं मुआवजा 310000 शिकायतकर्ता को देना होगा। इनके विरुद्ध नया लाइन सोनारी निवासी विजय सिंह के द्वारा न्यायालय में मुकदमा दाखिल की गई थी। उनके विरुद्ध आरोप है कि अपने इलाज के लिए एवं बच्चों के पढ़ाई हेतु रू 300000 विजय सिंह से ली थी। जब विजय सिंह पैसा वापस मंगा तो लक्ष्मी देवी ने 3 लाख का चेक विजय सिंह को दिया जब विजय सिंह भुगतान हेतु अपने बैंक में डाला तो रकम नहीं होने कारण चेक बाउंस हो गया। इसी मामले को लेकर विजय सिंह की तरफ से अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू एवं बबिता जैन ने पक्ष रखा था।

धोखाधड़ी के मामले में झामुमो नेता प्रमोद लाल पर हुआ वारंट जारी

जमशेदपुर। शुक्रवार को न्यायालय नरेंद्र कुमार प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय से अभियुक्त सीतारामडेरा निवासी प्रमोद लाल श्रीवास्तव के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी की गई एवं सिद्धगोड़ा पुलिस से न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी के संबंध में क्या कार्रवाई होने का रिपोर्ट भी मांगा गया है । प्रमोद लाल वर्तमान में कोल्हान परिवहन प्राधिकार एवं जिला के 20 सूत्री के सदस्य भी है। साथ ही यह झारखंड आंदोलनकारी भी रहे हैं। इनके विरुद्ध जेपी सिंह सीतगोड़ा निवासी के द्वारा मुकदमा दर्ज कराई गई थी। प्रमोद लाल के विरुद्ध आरोप है कि रू 100000 धोखाधड़ी कर गबन कर रखे हैं। जेपी सिंह शिकायतकर्ता की तरफ से अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू एवं बबिता जैन है।

विस्थापित क्षेत्र के ग्रामीण एवं समिति की मांगो को पूरा करना होगा, वरना किया जाएगा संघर्ष: अंबा प्रसाद

- **घोषणा: एक महीने के भीतर तीन-तीन सौ विस्थापित प्रभावित लोगों को अलग अलग चरण में बाहरी कामगार के स्थान में रोजगार से जोड़ा जाएगा**
- **कर्णपुरा खनन विस्थापित विकास समिति के तत्वाधान में स्थानीय लोगों को रोजगार दिलाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधि व कंपनी के साथ हुई बैठक**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बड़कागांव/ कर्णपुरा खनन विस्थापित विकास समिति के तत्वाधान में स्थानीय लोगों को रोजगार दिलाने के उद्देश्य से एक अहम बैठक दिन शुक्रवार को बड़कागांव प्रखंड सभागार में आहुत हुई।

उक्त बैठक में मुख्य रूप से स्थानीय विधायक सह समिति की संरक्षक सुश्री अंबा प्रसाद, उपायुक्त हजारीबाग द्वारा नामित प्रतिनिधि अपर समाहर्ता राकेश रोशन, एनटीपीसी के अधिकारी अमित अस्थाना, प्रशांत सिंह एवं त्रिवेणी कंपनी के उत्तम झा, मयूर सिंह, मुखियागण सहित क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी जितेंद्र कुमार पांडे ने की। विधायक अंबा प्रसाद द्वारा स्थानीय विस्थापित प्रभावित को रोजगार में प्राथमिकता प्रदान करने की मांग की, जिस पर कंपनी प्रबंधन की ओर से प्रशांत सिंह ने बताया कि कुल 2800 परियोजना प्रभावित लोगों को रोजगार से जोड़ा गया है और लगभग 519 हजारीबाग एवं 700 लोग राज्य के बाहर के कर्मी कार्य कर रहे हैं। वही उत्तम झा ने कहा कि 75% स्थानीय लोगों को रोजगार देने के लिए सरकार का जो आदेश है, उस पर पहल की जाएगी।

विधायक ने कहा की स्थानीय विस्थापित प्रभावित लोगों को रोजगार में 80 प्रतिशत प्राथमिकता प्रदान किया जाए जिस पर कंपनी प्रबंधन ने विधायक को आस्वस्त किया कि स्थानीय विस्थापितों को भीटीसी ट्रेनिंग करवा कर कंपनी में रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जाएगा और इस कड़ी में बाहरी कामगारों को रिप्लेस करने की शुरुआत की जाएगी।

कंपनी प्रबंधन ने कहा कि सर्वप्रथम विस्थापित पंचायत के स्किल्ड एवं सेमी स्किल्ड रैयतों को रोजगार में प्राथमिकता प्रदान की जाएगी ।

कंपनी प्रबंधन ने बताया कि आगामी एक महीने में 300 लोगों को रोजगार से जोड़ने की शुरुआत की जाएगी जिसे 3 महीने की वीटीसी ट्रेनिंग के बाद नियुक्त किया जाएगा।

वहीं अपर समाहर्ता राकेश रोशन ने बताया कि सरकार के गाइडलाइन के अनुसार न्यूनतम मजदूरी दर मजदूरों को देना है और इस संबंध में कंपनी प्रबंधन सूची उपलब्ध कराया जाय साथ ही विस्थापितों का रोजगार हेतु चयन एवं सत्यापन जिला कमेटी द्वारा किया जाएगा ।

अपर समाहर्ता राकेश रोशन ने बताया कि मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी दर प्राप्त हो इसके लिए समिति की देखरेख में कार्य की जाती है जिसमें जिला प्रशासन एवं कंपनी के अधिकारी की सहभागिता होती है।

विधायक अंबा प्रसाद ने विस्थापित ग्रामीणों की ओर से कहा कि कर्णपुरा खनन विस्थापित विकास समिति की जो मांगे हैं उसे पूरा करना होगा वरना उनकी जायज मांगो को पूरा करना होगा। इस दौरान त्रिवेणी अप्रैल्स कंपनी में कार्यरत महिलाओं को हटा दिए जाने के मामले पर भी विचार विमर्श किया गया।

कर्णपुरा खनन विस्थापित विकास समिति के मांगों को बिंदुवार समिति के उपाध्यक्ष पंकज कुमार के द्वारा रखा गया।

विभिन्न क्षेत्रों से आए पंचायत प्रतिनिधियों ने भी प्रदूषण, सड़क दुर्घटना, ट्रैफिक जाम संबंधित मामलों को बैठक में रखा जिस पर कंपनी का अधिकारियों ने सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया।

मौके पर मुख्य रूप से 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष हाजी तबस्सुम, प्रमुख फुलवा देवी, प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे एनटीपीसी की ओर से अमित अस्थाना,प्रशांत सिंह, त्रिवेणी सैनिक कंपनी से उत्तम झा, मयूर सिंह, समिति के अध्यक्ष मोहम्मद फयुम, उपाध्यक्ष पंकज कुमार, मुख्य संघ के अध्यक्ष रंजीत कुमार, सुरेश महतो, जगत नंदन प्रसाद गुप्ता, मुखिया मोहम्मद इलियास, प्रभु महतो, अनिकेत नायक, तकरीमुल्लाह खान, पूर्व मुखिया दीपक दास, मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार साव, पंचायत समिति सदस्य प्रभु राम,रितेश ठाकुर,शमीम अहमद,रियासत हसन,निर्मल राम,नेमधारी राम, पदुम साव, चंद्रिका प्रसाद, सिकंदर साव,बबलू कुमार,अब्दुल जब्बार, कुलेश्वर राम, राजेश रजक,मनोज विश्वकर्मा, प्रेम यादव, मशकुर आलम, कामेश्वर सिंह, मोहम्मद इब्राहिम, रोहित सिंह, बबीता देवी, माला देवी, मीनाक्षी देवी, संगीता देवी,जमाल सगीर सहित कई महिला पुरुष मौजूद थे।

गिरिडीह के रजत व अंकित की चंद्रयान-3 में रही अहम भूमिका...

बीएनएस डीएवी के छात्र रहे रजत व अंकित से गिरिडीह वासियों का सिर गर्व से हुआ ऊंचा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह/भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला देश बन गया है। इसरो के इस अभियान में देश के कोने-कोने के वैज्ञानिकों ने अपना अहम योगदान दिया है।वहीं गिरिडीह के बीएनएस डीएवी पब्लिक स्कूल के छात्र रहे रजत भदानी व अंकित सिंह ने भी चंद्रयान3 मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।जिसमें से रजत भदानी शहर में पचंबा के टेपियाटांड निवासी स्व विनोद राम के सुपुत्र हैं।स्व विनोद राम पेशे से व्यवसायी थे। रजत और अंकित सिंह दोनों ने बचपन से लेकर 10 प्लस टू तक की शिक्षा गिरिडीह के बीएनएस डीएवी पब्लिक स्कूल से किया था। ये दोनों यहां 2009 के मैट्रिक बैच के छात्र थे। रजत ने चंद्रयान-3 के क्रायोजेनिक इंजन (रॉकेट के ऊपरी स्टेज का इंजन) में अभूतपूर्व योगदान देकर गिरिडीह शहर का गौरव व सम्मान बढ़ाया। बतौर वैज्ञानिक रजत भदानी 2018 से इसरो में कार्यरत हैं। इन्होंने चंद्रयान-2 गगनयान में भी अपनी सेवाएं दी है।रजत ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवारजन के साथ ही अपने गुरुजनों कान्तिलाल देशमुख, बीडी झा व विद्यालय के अन्य गुरुजनों को दिया।

उपायुक्त ने जनता दरबार में दो दर्जन से अधिक मामले आए

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

हजारीबाग/उपायुक्त नैंसी सहाय ने शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साप्ताहिक आयोजित होने वाले जनता दरबार में जिले वासियों की समस्याओं के निवारण के लिए उपायुक्त के समक्ष लगभग दो दर्जन से अधिक मामलो के आवेदन आए। जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के समस्याओं से निष्पादन की आस लिए आए नागरिकों के फरियाद को सुन उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जांचोपरांत न्याय संगत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त वेश्म में आयोजित जनता दरबार में फरियादियों द्वारा आम गैर मजुरूआ रास्ता में जबरन मकान बनाने के संबंध में, एलपीसी निर्गत करने के संबंध में, पारिवारिक विवाद निपटारा के संबंध में, अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान के संबंध में,जीविकोपार्जन के लिए रोजगार उपलब्ध कराने के संबंध में,पीएम आवास योजना में अनिमियतता के संबंध में,खतियानी जमीं हड़पने के संबंध में,भू रैयतों का मुआवजा भुगतान करने के संबंध में एवं इस दौरान रोजगार,मनरेगा,भूमि, म्यूटेशन,पेंशन,भूमिअधिग्रहण,आवास, राशन आदि समस्याओं से संबंधित आवेदन आए तथा उन आवेदनों को मार्क कर संबंधित अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए निष्पादन के आदेश दिए।

चमेली झरना से फिर एक अज्ञात युवती का शव मिला, पुलिस ने किया बरामद

- **चमेली झरना व नैशनल पार्क के आसपास का क्षेत्र बना होटस्पोट, लगातार दूसरे दिन भी मिला एक नाबालिग युवती का शव**

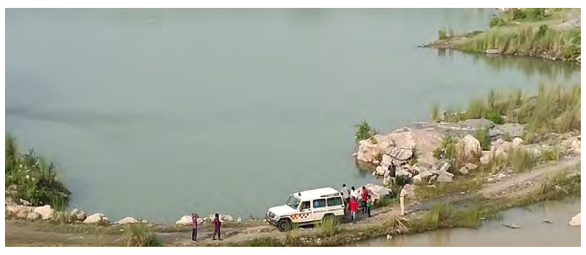

इचाक। पदमा थाना सीमा क्षेत्र के नैशनल पार्क, सालफरनी ,चमेली झरना से तैरता हुआ नाबालिक युवती का शव शुक्रवार को भी ईचाक पुलिस ने बरामद किया, कल भी एक युवक और युवती का शव को इचाक पुलिस ने बरामद किया था। निवर्तमान प्रभारी धनंजय सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान नहीं हो सका है । शव सड़ जाने के वजह से चेहरा पहचानने योग्य नहीं है । शव को चमेली झरना में तैरता हुआ ग्रामीणों ने देखा। इसकी सूचना ईचाक पुलिस को भी दिया गया । लोगों के सहयोग से दोनो तैरता हुआ युवक युवती के शव को निकाला गया । सूचना पाकर इचाक थाना दलबल के साथ चमेली झरना पहुंची । थाना के पुलिस पदाधिकारीयो ने शव को कब्जा में लेकर मुर्दा कल्याण समिति के सदस्यों के सहयोग से पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग भेजा गया ।

युवती ब्लू रंग का जींस और पीला शर्ट पहने हुए हैं जिसकी उम्र 17 करीब आंकी जा रही है । मामला , प्रेम प्रसंग, हत्या,आत्महत्या या सेलफी लेने के दौरान फिसल कर हुई है इन सभी बिंदुओं को केंद्र में रखकर थाना की पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है । शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया । लगातार हो रहे घटनाओं को लेकर क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

पिछले तीन महीनों में ये चौथी घटना चमेली झरना और उसके आस-पास के स्थलों पर घटित हुई है, ईचाक के दो छात्रों की मौत नहाने के वजह से हुई थी वहीँ डेढ़ माह पूर्व एक व्यक्ति की सिर कटा शव बरामद हुआ था जिसका 23 दिन बाद उद्भेदन करने में ईचाक पुलिस को सफ़लता मिली थी। उसकी पहचान औरंगाबाद (बिहार राज्य)के नवीन नगर थाना क्षेत्र के भीम सिंह के रूप मे हुई थी, जिसकी हत्या उसके सगे भाई और रिश्तेदारों ने मिलकर की थी।

हजारीबाग नैशनल पार्क, चमेली झरना एन एच 33 से महज तीन से 4 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, और यहां तक आसानी से आवागमन होता रहता है। सम्भावित है कि आज और कल मिले तीनों शवों की हत्या कहिं और कर के सबूत छिपाने के लिए चमेली झरना में फेंक दिया गया हो। इस क्षेत्र जब भी शव मिले हैं उसकी पहचान अन्य जिलों का मिला है, इस बात का इंकार नहीं किया जा सकता है की प्राप्त शवों का भी यहि हस्त्र हुआ होगा।

छिनतई की घटना में संलिप्त कटिहार के कोड़ा ग्रुप का शातिर चढ़ा पुलिस के हत्थे

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। बैंकों के आसपास से ग्राहकों से छिनतई की घटना को अंजाम देने वाले बिहार के कोड़ा ग्रुप के शातिर सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

बताया जाता है कि इसी गिरोह द्वारा बीते 18 अगस्त को कोडरमा से आए दंपति से स्थानीय नटराज चौक से एक लाख चालीस हजार रुपए छिन ली गई थी।

शहर के नटराज चौक के पास दिनदहाड़े अपराधियों ने एक दंपति से नकद एक लाख चालीस हजार रुपए छिन कर फरार हो गए थे।

बताया जाता है कि कोडरमा के मरकच्चो के रहने वाले सुरेश प्रसाद यादव ने अपनी पत्नी के साथ मकतपुर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से रूपए की निकासी किया था। इसके बाद दोनों दंपति अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने पैसे से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गए थे। घटना की जानकारी नगर थाना पुलिस को दी गई थी।

जिसमें बैंक की सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधी की पहचान की गई।वहीं इस संबंध में बताया जाता है कि एसपी दीपक कुमार शर्मा को गुप्त सूचना मिली थी की शहरी क्षेत्र के नटराज चौक के समीप हुई लूटपाट मामले में शामिल एक अपराधी जो की कोड़ा ग्रुप का सदस्य गावां थाना इलाके में छिपा हुआ है।

जिसके बाद एसपी ने गांवा पुलिस एवं नगर थाना पुलिस को आसपास के इलाके में नाकेबंदी कर अपराधी की गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया।इसके बाद गिरिडीह से नगर थाना पुलिस की एक टीम ने गावां और तीसरी के इलाके में अपराधी की गिरफ्तारी को लेकर छापामारी शुरू कर दी।

इसी दौरान पुलिस ने लूटपाट की घटना में शामिल कोड़ा ग्रुप के एक सदस्य को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जारी तस्वीर के जरिए पहचान कर गिरफ्तार कर लिया।

इससे पूर्व बिहार के कटिहार का कोड़ा गिरोह का गिरिडीह शहर में सक्रिय रहने का प्रमाण सामने आया था। पुलिस द्वारा इसकी पुष्टि की गई।

वहीं इस गिरोह के शातिर अपराधी मनीष यादव का पुलिस द्वारा फोटो भी जारी किया गया था। साथ ही पिछले दिनों स्टेट बैंक से रुपए निकासी करके बाहर निकले कोडरमा के दंपति से छिनतई की घटना को अंजाम दिया था। घटना के दिन का सीसीटीवी फूटेज भी पुलिस ने रिलीज किया था, जिसमें मनीष यादव नामक शातिर हाफ पैंट व लाल रंग की टीशर्ट में दिख रहा है।

इधर घटना के दिन मनीष को भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा के अंदर भी देखे जाने की बात बताई जा रही है।पकड़े गए अपराधी से पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।

हाथियों का उत्पात थमने का नही ले रहा नाम

- **नारायणपुर में दरवाजा तोड खाया अनाज,दर्जनों किसानो के फसल को किया नष्ट**

टाटीझरिया(हजारीबाग) । हाथियों का झुंड प्रखंड के चारों और उत्पात मचाते हुए फिर से बेडमक्का -- नारायणपुर जंगल पहुंच गया है । दस दिन पुर्व इसी जंगल में 10 हाथियों का झुंड ने झरपो निवासी रामेश्वर ठाकुर को मार दिया था ।जिसके बाद वन विभाग के टीम ने इन्हें खदेडते हुए प्रखंड क्षेत्र का एक परिक्रमा एक पखवारे में करा दिया। इस क्रम में एक बड़ा बदलाव हुआ कि तब इनकी संख्या 10थी ,अब हाथियों का दो झुंड मिलाकर 29 की संख्या हो गई है। बेरहो,धरमपुर,डुमर बंशी के बाद गुरूवार रात को हाथियों के झुंड ने नारायणपुर में जमकर उत्पात मचाया है। दर्जनों किसानों का मक्का को इन्होंने बर्बाद कर दिया है ।बंशी में दीपक कुशवाहा,निर्मल कुशवाहा,गणेश यादव, डीलो प्रजापति,नागेश्वर कुशवाहा महेंद्र कुशवाहा,किशुन यादव,कालेश्वर यादव का धान का बिचड़ा, मडूआ, नारायणपुर निवासी गुडिया देवी पति दशरथ कुमार के दरवाजा तोड कर घर में बने पिंडा को तोड दिया,बर्तन को बर्बाद कर घर में रखे अनाज को बर्बाद किया साथ ही गैस चुल्हा को तोड दिया। कमली देवी का दरवाजा और खिडकी तोड चावल को नष्ट कर दिया। कलावती देवी का दरवाजा तोड दिया। इसके अलावा सोबरन महतो,देवकी महतो,तेजो महतो,झमन महतो,नेमा महतो,रामेश्वर महतो,छोटन कुमार,शंकर प्रसाद,महेश प्रसाद,रूपलाल महतो,मुनिचंद प्रसाद,जालो महतो,दशरथ महतो,सुनील कुमार, कौलेश्वर महतो,बालेश्वर महतो,सिकेंद्र प्रसाद,जितेंद्र प्रसाद,जुगल महतो,भुखन महतो का बारी में लगे मक्का को बर्बाद कर दिया।

राज्य के विकास को गति देगी हाइड्रोजन इंजन निर्माण परियोजना: हेमंत सोरेन

रांची । मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि हाइड्रोजन इंजन निर्माण परियोजना के लिए टाटा मोटर्स एवं टाटा कमिंस के संयुक्त उपक्रम तथा झारखंड सरकार के बीच एमओयू होना निश्चित रूप से झारखंड के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन है। ईश्वर ने इस राज्य को विभिन्न प्रकार की खनिज संपदाओं से आच्छादित किया है। यही कारण है कि झारखंड में कई छोटे-बड़े उद्योगों के साथ बड़े-बड़े तकनीकी उद्योग भी स्थापित हुए हैं। हाइड्रोजन इंजन निर्माण परियोजना निश्चित रूप से राज्य के विकास को गति देगी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय के सभागार में टीसीपीएल ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशन प्रा. लिमिटेड (टाटा मोटर्स लिमिटेड और टाटा कमिंस लिमिटेड का संयुक्त उपक्रम) के साथ उद्योग विभाग, झारखंड सरकार के बीच हाइड्रोजन इंजन निर्माण से संबंधित नई परियोजना के लिए एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से दो दिन पहले देशभर में चंद्रयान मिशन को लेकर काफी चचाएं हो रही थीं। अंततोगत्वा भारत ने चंद्रयान मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। हमारे वैज्ञानिकों ने यह फिर साबित कर दिखाया कि भारत

किसी से कम नहीं है। इस अभियान में झारखंड के बोकारो जिले के निवासी एक आदिवासी युवा शिवशंकर बेसरा का भी सराहनीय योगदान रहा है। शिवशंकर बेसरा इसरो की टीम में वैज्ञानिक के रूप में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड के नौजवानों में हुनर की कोई कमी नहीं है, बशर्ते कि हम नीति निर्धारण करने वाले लोग तथा यहां कार्यरत औद्योगिक संस्थाएं इस बात को समझें कि हमें इस राज्य के लिए क्या करना है? यहां के युवाओं को किस दिशा में आगे बढ़ाना है।

झारखंड को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाकर खड़ा करना लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैसे तो झारखंड देश के पिछड़े राज्यों में शामिल है। हमारा राज्य पिछड़े राज्यों की लाइन में क्यों खड़ा है, मैं इसका मुकम्मल हल नहीं ढूंढ पाया हूं लेकिन हल ढूंढने के लिए निरंतर प्रयासरत हूं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार झारखंड के युवा पीढ़ी की सोच के अनुरूप, यहां की जन भावनाओं के अनुरूप विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर एक बेहतर कार्य योजना बनाते हुए राज्य को आगे बढ़ने का काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राज्य सरकार झारखंड की धरती पर हाइड्रोजन इंजन निर्माण के लिए टाटा मोटर्स एवं टाटा कमिंस के संयुक्त उपक्रम के साथ समझौता हस्ताक्षर कर रही है। परियोजना के शुरूआती दौर में हाइड्रोजन इंजन का इस्तेमाल सिर्फ हैवी व्हीकल में किया जाएगा लेकिन धीरे-धीरे इसके दायरे बढ़ेंगे तथा छोटे वाहनों में भी हाइड्रोजन इंजन इस्तेमाल करने की परिकल्पना को पूरा किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि ऐसे ही प्रयासों से झारखंड पिछड़े राज्यों की श्रेणी से निकलकर देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा।

जेल से भी लूट, झूठ और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करते रहेंगे : बाबूलाल

रांची, । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को संकल्प यात्रा के दौरान शिकारीपाड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की सरकारें विकास के लिए जानी जाती हैं जबकि कांग्रेस-जेएमएम की सरकार का मतलब ही भ्रष्टाचार, लूट, दलालों-बिचौलियों की सरकार है। इस लूट के खिलाफ बोलने पर हेमंत सोरेन ने आधा दर्जन केस करवा दिया है। उन्होंने कहा कि जितना केस करवाना है करवा लें, वे जेल से भी राज्य सरकार की लूट, झूठ और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करते रहेंगे।

संथाली भाषा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने इस राज्य को अलग राज्य बनाया, जिसे राज्य और केंद्र की भाजपा सरकार ने संवारने का कार्य किया लेकिन हेमंत सरकार के भ्रष्टाचार से प्रदेश की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। हेमंत सोरेन ने पैसे कमाने में झारखंड को खोखला कर दिया। खदान व खनिज संपदा दिल्ली मुंबई वालों को दे दिया।

उन्होंने कहा कि 2024 में नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएं।

साथ ही झारखंड में भाजपा की सरकार बनाएं। भाजपा स्थानीय लोगों को खदान का लीज देगी। पूंजी नहीं होने पर पूंजी भी देगी। यहां के लोग मजदूर नहीं मलिक बनेंगे। मरांडी ने कहा कि हेमंत वाली हिम्मत अपराधियों में दिख रहा है। अपराधी बेखौफ होकर अपराध कर रहे हैं। जब तक प्रदेश में हेमंत सरकार है कानून का राज और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगने वाला नहीं है।

मरांडी ने कहा कि जब भाजपा की सरकार बनी तो गांव-गांव में सड़कों का निर्माण हुआ। संथाल परगना में भी विकास के कई योजनाएं चल रही हैं। रेलवे मार्ग से लेकर हवाई मार्ग से यह क्षेत्र जुड़ गया। देवघर में एम्स और दुमका में मेडिकल कॉलेज भाजपा सरकार में ही निर्माण हुआ। इतना ही नहीं भाजपा ने अलग से आदिवासी मंत्रालय, संथाली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कराया। पहली बार मंत्रालय में आठ आदिवासी को मंत्री बनाया जबकि कांग्रेस जेएमएम ने आदिवासियों से सिर्फ वोट लेने का कार्य किया। उन्होंने 2024 में नरेन्द्र मोदी को जिताने और हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प दिलाया।

भाजपा सरकार में लगातार हो रहा है भ्रष्टाचार: राजेश ठाकुर

रांची। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि सीएजी रिपोर्ट के अनुसार एनडीए की सरकार में लगातार भ्रष्टाचार हो रहा है। ठाकुर शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि सीएजी के रिपोर्ट से यह पदार्फाश हो चुका है कि मोदी सरकार के कार्यकाल में सात बड़े घोटोले हुए हैं। इनमें भारतमाला प्रोजेक्ट की बिडिंग प्रक्रिया में फजीर्वाड़ा, द्वारका एक्सप्रेस-वे में भारी धांधली, टोल में लूट, आयुष्मान भारत योजना में मृत लोगों को जीवित दिखा कर भुगतान और एक ही नंबर से 7.5 लाख लाभार्थियों जुड़े होने का फजीर्वाड़ा, अयोध्या डेवेलपमेंट प्रोजेक्ट में ठेकेदारों के गल्ले में अनुचित लाभ पहुंचाने का

घोटाला, टोल नियमों का उल्लंघन शामिल है।

इसके अलावा एनएचआई ने गलत तरीके से यात्रियों से 133 करोड़ रुपये वसूले, एचएएल पर विमान इंजन की डिजाइन प्रोडक्शन में खामियों का गंभीर आरोप लगा है, इसमें 159 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि साथ ही सीएजी ने ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से वृद्ध, विकलांग और विधवा पेंशन योजनाओं का पैसा अन्य योजनाओं के प्रचार में खर्च करने का भी खुलासा किया है।

उन्होंने कहा कि अगर हां तो अब बस तुरंत मोदी उस पर ईडी की रेड करवाकर ताला लगवायें। उन्होंने कहा कि जिस झूठी ईमानदार छवि का गला फाड़ फाड़ कर प्रधानमंत्री दंभ भरते हैं, वो ध्वस्त हो चुकी है। केंद्र सरकार में घोटाले ही घोटाले हैं और अब पूरा सच देश के सामने आ रहा है। लोग क्रेंद्र सरकार के भ्रष्टाचार के बारे में बात करने लगे हैं।

बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा से राज्य सरकार की उड़ी नींद : प्रतुल शाहदेव

रांची । भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा की नींद बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा को मिल रहे अपार समर्थन से उड़ गई है। उमस भरी गर्मी हो या तेज बारिश हजारों की संख्या में लोग बाबूलाल को सुनने आ रहे हैं। साफ है कि इस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। वे शुक्रवार को प्रदेश मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

प्रतुल ने कहा कि बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री पर जो भ्रष्टाचार के संगीन आरोप लगाए थे, वह तीर

बिल्कुल निशाने पर लगा है। तभी सरकार की ओर से आज तक किसी ने इसका खंडन नहीं किया लेकिन बाबूलाल मरांडी पर फर्जी मुकदमों की झड़ी लगा दी गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उनके सलाहकार इस भ्रम में है कि बाबूलाल और भाजपा के नेता ऐसे फर्जी मुकदमों से विचलित हो जाएंगे।प्रतुल ने सरकार को ललकारते हुए कहा कि वो बाबूलाल पर चार क्या 400 मुकदमे भी कर दें तो भी उनके भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम नहीं रुकने वाली है। उन्होंने कहा ऐसे भी इस सरकार ने अब तक के अपने कार्यकाल में ढाई सौ भाजपा के नेताओं और कार्यकताओं पर फर्जी मुकदमे किए है, जिसमें राजद्रोह जैसे आरोप भी शामिल हैं।

रांची में 26 और 27 अगस्त को योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन

रांची, । रांची में जिला स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन 26 और 27 अगस्त को बूटी के जुमार नदी के समीप स्थित मनन विद्या स्कूल में किया जायेगा। इस संबंध में संगठन के अध्यक्ष संजय सिंह ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि रांची योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन चौथी बार जिला स्तरीय चैंपियनशिप का आयोजन कर रहा है। इस चैंपियनशिप में रांची जिले के कई स्कूल एवं कॉलेज के लगभग 500 बच्चे शामिल हो रहे हैं।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद संजय सेठ, मनरखन महतो, मनोज महतो, रेखा नायडू, पतंजलि से ईश्वर चंद शामिल होंगे। कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि सांसद आदित्य साहू , भाजपा के प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा, भाजपा स्टेट कन्वेनर अमित चरण, डॉ मधुलिका वर्मा, डॉ परिणीता सिंह शामिल होंगी। इस अवसर पर सचिव संतोषी कुमारी ने बताया कि इस चैंपियनशिप में कई तरह के इवेंट करवाया जा रहा है। इसमें सब जूनियर में उम्र नौ वर्ष से लेकर 14 वर्ष के बीच होनी चाहिए।इसी प्रकार जूनियर में उम्र 14 वर्ष से 18 वर्ष के बीच होनी चाहिए। सीनियर में 18 से 28 वर्ष, सीनियर ए झ 28 से 35 वर्ष तक, सीनियर बी झ 35 से 45 वर्ष तक, सीनियर झ 45 से 55 वर्ष तक को इस प्रतियोगिता में शामिल किया जा रहा है। इसमें आर्टिस्टिक योगासन सिंगल, आर्टिस्टिक योगासन पेयर, राइथिमक योगासन पेयर, ट्रेडिशनल इंडिविजुअल योगासन किया जाएगा। सभी प्रतिभागियों को अपना आधार कार्ड, बर्थ सर्टिफिकेट और पासपोर्ट फोटो लाना अनिवार्य होगा। इसमें रजिस्ट्रेशन शुल्क 200 रुपए रखा गया है।सफल बच्चों को राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में भाग लेने का अवसर मिलेगा और फिर राष्ट्रीय स्तर के खेल में शामिल होने का अवसर दिया जाएगा। मौके पर डॉयरेक्टर प्रह्लाद भगत, चैंपियनशिप कोऑर्डिनेटर कोमल कुमारी, टेक्निकल हेड शंकर राणा, संस्था के कोषाध्यक्ष डॉ एस. के घोसाल, मीडिया प्रभारी पूजा सिंह, संरक्षक ईश्वर चंद, राहुल रंजन, चंदू कुमार, विजय, विकाश गोप सहित अन्य मौजूद थे।

रांची में डाक विभाग ने अब तक रक्षा बंधन स्पेशल छह हजार लिफाफे बेचे

रांची, । रक्षा बंधन पर्व के मद्देनजर डाक विभाग ने राखी को सुरक्षित पहुंचाने के लिए विशेष लिफाफा बनाई है। झारखंड में भी डाक विभाग के कार्यालयों में विशेष लिफाफे की बिक्री हो रही है। पोस्ट ऑफिस में यह रक्षा बंधन स्पेशल लिफाफा दस रुपये में मिल रहा है। यह लिफाफा वाटरप्रूफ भी है। साथ ही डाक विभाग ने पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों को यह आदेश भी दिया इस विशेष लिफाफे को विशेष तवज्जो दी जाए।

इस संबंध में डोरंडा पोस्ट ऑफिस के पोस्ट मास्टर अरुण कुमार सिंह ने बताया कि अब तक सिर्फ डोरंडा सर्कल से 1500 स्पेशल लिफाफे बेचे गए हैं। डाक विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी डिप्टी सुप्रीटेंडेंट ऑफ पोस्ट ऑफिस राजीव रंजन के मुताबिक पूरे रांची में लगभग छह हजार रक्षा बंधन के लिए बनाए गए स्पेशल लिफाफे अब तक बिक चुके हैं। राज्य में 25 से 30 हजार लिफाफे बेचने का लक्ष्य है जो करीब पूरा हो चुका है।

डाक पदाधिकारियों ने बताया कि सभी डाकघरों में राज्य के अंदर जाने वाली पोस्टकार्ड के लिए अलग से बास्केट बनाया गया है जबकि राज्य के बाहर जाने वाले लिफाफे के लिए अलग से बास्केट बनाए गए हैं। यह व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि राखी वाले पोस्टल आर्डर को तुरंत ही शॉट आउट कर संबंधित स्थान पर भेजने की प्रक्रिया शुरू की जा सके।

रांची जीपीओ के वरीय डाकपाल एस गराईं बताते हैं कि रक्षा बंधन के मौके पर जो विशेष लिफाफे से राखी भेज रहे हैं और जो साधारण पोस्टल जैसे स्पीड पोस्ट या रजिस्ट्री के माध्यम राखी भेज रहे हैं, उन सभी लोगों के लिए डाक विभाग की तरफ से काउंटर साधारण दिनों की तुलना में ज्यादा समय तक खोले जा रहे हैं।

अमूमन डाक विभाग का काउंटर शाम चार बजे तक लोगों के लिए खुला रहता था लेकिन रक्षा बंधन को देखते हुए विभाग ने काउंटर खोलने के समय में एक्सटेंशन कर दिया जो कि देर शाम आठ बजे तक खुली रह रही है।

सार-संक्षेप

के श्रीनिवासन सहित तीन आइएएस अधिकारियों का तबादला

रांची। राज्य सरकार ने दो आईएएस अफसरों की पोस्टिंग और एक आईएएस का तबादला किया है। इस संबंध में शुक्रवार को कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।जारी अधिसूचना के अनुसार पदस्थापना के प्रतीक्षारत आईएएस के श्रीनिवासन को एटीआई का निदेशक बनाया गया है। जबकि एटीआई के निदेशक मुकेश कुमार का तबादला करते हुए वित्त विभाग के अंकेक्षण निदेशालय का निदेशक बनाया गया है। कुमार को अपने कार्यों के अतिरिक्त निदेशक पेंशन लेखा निदेशायल वित्त विभाग के अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। इसके अलावा पदस्थापना के प्रतीक्षारत शशि रंजन को जियाडा का एमडी बनाया गया है। रंजन को अगले आदेश तक के लिए मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड का मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

झारखंड को मिली केरला कैडर की आईएएस रिया सिंह की सेवा

रांची। केरला कैडर की आईएएस अधिकारी रिया सिंह की सेवा झारखंड कैडर में ट्रांसफर कर दी गयी है। 2021 बैच की इस अधिकारी ने झारखंड कैडर के 2021 बैच के आईएएस अधिकारी सन्नी सिंह से विवाह किया है। इसी ग्राउंड पर इनका कैडर ट्रांसफर झारखंड किया गया है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय के अधिसूचना के बाद झारखंड सरकार इनका स्थानांतरण-पदस्थापन करेगी।

जमीन घोटाले के आरोपित तल्हा खान की जमानत याचिका खारिज

रांची। जमीन घोटाले के आरोपित तल्हा खान की जमानत याचिका ईडी कोर्ट ने खारिज कर दी है। ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत ने शुक्रवार को जमानत याचिका पर अपना फैसला सुनाते हुए याचिका खारिज कर दी।

इससे पूर्व अदालत ने बीते 19 अगस्त को दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट में तल्हा खान के अधिवक्ता विक्रांत सिन्हा ने और ईडी के विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार ने बहस की। तल्हा खान को ईडी ने अप्रैल महीने में जमीन घोटाले मामले में गिरफ्तार किया था।

हथियार का भय दिखाकर लूट, सीसीटीवी में वारदात कैद

रांची। सदर थाना क्षेत्र के कोकर चुन्ना भट्टा में शुक्रवार सुबह एक लाल रंग की स्कूटी पर सवार चार अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर एक व्यक्ति के साथ लूट की। अपराधियों ने व्यक्ति से पर्स और मोबाइल फोन लूट लिया। पर्स मे पांच हजार रुपये और कुछ जरूरी कागजात थे।

जानकारी के अनुसार पीड़ित व्यक्ति का नाम प्रवीण प्रसाद चौरसिया है, जो नवादा से कोकर भाभा नगर अपने रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर रही है। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी मे कैद हो गयी है। थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

सेवानिवृत्त झाप्रसे अधिकारी रवि शंकर पर होगी विभागीय कार्रवाई

रांची। झारखंड प्रशासनिक सेवा (झाप्रसे) से सेवानिवृत अधिकारी रवि शंकर पर पेंशन नियमावली के तहत विभागीय कार्रवाई होगी। उनके ऊपर संयुक्त सचिव जलसंसाधन विभाग सह आंतरिक वित्तीय सलाहकार के पद पर रहते हुए गंभीर आरोप लगे थे। गुमला जिला अंतर्गत कतरी जलाशय योजना के जीर्णोद्धार कार्य से संबंधित निविदा निस्तारण, कार्य आवंटन में अनियमितता बरतने संबंधी आरोप है।

पूरे मामले पर जलसंसाधन विभाग ने 10 जून, 2019 को प्रपत्र-क गठित कर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। प्रथम दृष्टया जांच में आरोप प्रमाणित पाये गये। राज्य सरकार ने अब उनके ऊपर विभागीय कार्रवाई चलाने का निर्णय लिया है। जांच संचालन पदाधिकारी रिटायर आईएएस अधिकारी रमाकांत सिंह को बनाया गया है। इस संबंध में शुक्रवार को कार्मिक विभाग ने आदेश जारी कर दिया है।

हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से रांची में सीवरेज-ड्रेनेज परियोजना की मांगी जानकारी

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में रांची शहर में सीवरेज-ड्रेनेज परियोजना को पूरा करने का आग्रह करने वाली अरविंदर सिंह देओल की जनहित याचिका की सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि सीवरेज-ड्रेनेज परियोजना के तीन फेज का निर्माण कार्य राज्य सरकार द्वारा किया जाना है। इसको पूरा करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है। इस संबंध में स्टेटस रिपोर्ट दायर करे।इससे पूर्व राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि सीवरेज-ड्रेनेज परियोजना के फेज टू, फेज थ्री और फेज फोर के कार्य के लिए डीपीआर बनाने का काम पूरा हो गया है, अब आगे की प्रक्रिया की जाएगी। रांची नगर निगम के अधिवक्ता एलसीएन शहदेव ने बताया कि जोन-वन का कार्य रांची नगर निगम कर रहा है, जिसका लगभग 78 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। राज्य सरकार द्वारा कुछ और फंड रिलीज किया गया है। रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट और एनएचएआई से अभी एनओसी नहीं मिला है। एनओसी मिलते ही कार्य तेज किया जाएगा। अभी बरसात के कारण काम में देरी हो रही है।केंद्र सरकार के अधिवक्ता प्रशांत पल्लव ने शपथ पत्र दाखिल कर कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार अब रांची शहर में सीवरेज-ड्रेनेज परियोजना के लिए कोई राशि नहीं देगी। केंद्र ने स्कीम के तहत राज्य सरकार को 60 करोड़ रुपये दिए थे लेकिन राज्य सरकार ने यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट नहीं दिया था।

धुर्वा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर ने युवा वैज्ञानिक के माता-पिता को किया सम्मानित

रांची। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा के केशव सभागार में शुक्रवार को चन्द्रयान-3 के मिशन की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पुरातन छात्र भैया निलेश कुमार झा के माता-पिता को सम्मानित किया।

बताया जाता है कि निलेश ने सालिड प्रोपलेंट फ्यूल तैयार करने वाली इसरो की टीम में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इनकी प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा में हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निलेश के पिता अनिल झा एवं माता संयुक्ता झा थे। विद्यालय के मंत्री अखिलेश्वर नाथ मिश्र ने अनिल झा को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। संयुक्ता झा को विद्यालय की प्राचार्य डॉ. संध्या सिंह ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।

विद्यालय के मंत्री अखिलेश्वर नाथ मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यालय के लिए यह गर्व की बात है कि एक साधारण परिवार में पले-बढे, इस विद्यालय से शिक्षा प्राप्त किये भैया ने चन्द्रयान मिशन में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने निलेश को राष्ट्रभक्त, संस्कारयुक्त एवं सद्चरित्र व्यक्ति बताया। साथ ही अन्य को उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा वैज्ञानिक निलेश के पिता अनिल झा ने कहा कि मैं इस बात पर अत्यंत गौरवान्वित महसूस करता हूं कि मेरे पुत्र ने सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा में शिक्षा पाई है। इस विद्यालय में संस्कारयुक्त शिक्षा दी जाती है, जिसका प्रयोग दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों के अतिरिक्त अपने कार्यक्षेत्रों में भी होता है और जो सफलता का मार्ग प्रशस्त करने में सदा सहायक सिद्ध होता है। निलेश की माता संयुक्ता झा ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरस्वती शिशु विद्या मंदिर केवल एक विद्यालय नहीं अपितु शिक्षा का मंदिर है। यहां शिक्षक गुरु की भूमिका में रहते हैं, जो अपनी व्यक्तित्व एवं आचरण से भैया-बहनों के मानस पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ते हैं।

निलेश कुमार झा ने गुगल मीट के जरिए जुड़कर सभी विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि आप अपना लक्ष्य बड़ा रखें। बडे. सपनों देखें।

विपरीत परिस्थितियों को अपने ऊपर हावी न होनें दें। परिस्थितियों आपके मार्ग में बाधक नहीं साधक बनें। विद्यार्थी विज्ञान एवं तकनीक क्षेत्र में आगे बढें।

ईडी, सीबीआई भाजपा के कार्यकर्ता की तरह कार्य कर रही है : सांसद गीता कोड़ा

- **कैग के रिपोर्ट से साबित हुआ, मोदी सरकार में नाक के नीचे हो रहा है घोटाले**
- **द्वारका एक्सप्रेसवे सड़क की लागत 1 किलोमीटर में 250 करोड़ रूपया**

चाईबासा।

मानसून सत्र में कैश नियंत्रक और महालेखा प्रशिक्षक कैग की रिपोर्ट में मोदी सरकार में हुए घपला- घोटाले के खुलासे पर, आज कांग्रेस भवन चाईबासा में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री राजेश ठाकुर के निर्देश पर प्रेस वार्ता कार्यक्रम माननीय सांसद सह प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती गीता कोड़ा के द्वारा किया गया, जिसमें उपस्थित प्रेस के बंधुओं को संबोधित करते हुए माननीय सांसद श्रीमती गीता कोड़ा ने केंद्र की भाजपा सरकार के नाक के

नीचे हो रही भ्रष्टाचार पर अपनी बात रखी, माननीय सांसद ने कहा कि केंद्र की सरकार जहां भाजपा की सरकार नहीं है वहां ईडी और इनकम टैक्स के माध्यम से सरकारों को परेशान करने का प्रयास किया जा रहा है, सदन में विपक्षी सांसदों को बोलते नहीं दिया जाता है माइक बंद कर दिया जाता है, अब जब कैग का रिपोर्ट से भ्रष्टाचार की पुष्टि हो चुकी है तो प्रधानमंत्री की चुप्पी साधे हुए हैं, प्रेस वार्ता कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास एवं जिला प्रवक्ता जितेंद्र नाथ ओझा भी मौजूद थे।

पाकिस्तान में खत्म होते अल्पसंख्यक, निचले दर्जे का नागरिक मान जारी है दमन

ईशनिंदा कानून के लिए पाकिस्तान ने मृत्युदंड का प्रविधान कर रखा है। इस कानून को लागू करने से पाकिस्तान के हर स्वतंत्र विचार रखने वाले नागरिक को कहीं न कहीं अपनी स्वतंत्रता से जूझना पड़ रहा है या फिर उग्र भीड़ से मुकाबले में जान एवं माल की क्षति सहनी पड़ रही है। इनमें कुछ मुसलमान भी हैं। उन्होंने भारत में जन्म लेने के लिए आभार व्यक्त किया है।

विश्व में कई प्रगतिशील देश अपने समाज में विविधताओं से भरे धार्मिक एवं सांस्कृतिक विचारों का सम्मान करते हैं तथा सभी पंथों और विचारों को बराबर देखते हैं। इसके विपरीत पाकिस्तान में वहां के मुट्ठी भर अल्पसंख्यकों के प्रति द्वेष, घृणा एवं दमन की भावना निरंतर बढ़ रही है। वहां एक बार फिर इस्लाम के विरुद्ध ईशनिंदा के आरोप में ईसाई समुदाय के साथ घृणित व्यवहार देखने को मिला। ईसाई समुदाय के दो युवकों पर ईशनिंदा का झूठा आरोप लगाकर फैसलाबाद में तमाम गिरजाघरों और ईसाइयों के घरों में तोड़-फोड़ और आगजनी की गई। ईसाइयों के खिलाफ भड़की हिंसा ने दिल दहला दिया।

यह बहुत निराशाजनक है कि पाकिस्तान में ईशनिंदा के झूठे आरोपों के कारण निर्दोष अल्पसंख्यकों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है और कभी-कभी तो उनकी जान भी ले ली जाती है। दशकों से हम यह देख रहे हैं कि पाकिस्तान में उग्र भीड़ कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाते हुए ईशनिंदा के आरोपित व्यक्ति अथवा समुदाय को खुद ही निशाना बनाने में जुट जाती है। आसिया बीबी (आसिया नोरेन) का मामला ऐसे मामलों का सबसे चर्चित प्रकरण रहा। ईसाई महिला आसिया बीबी को न केवल जेल जाने के साथ कष्टमय जीवन जीना पड़ा, बल्कि उनके समर्थन में आए एक नेता सलमान तासीर की हत्या कर दी गई और वह भी उनके सुरक्षाकर्मी द्वारा। सलमान तासीर के हत्यारे को जब फांसी दी गई तो उसके जनाजे में हजारों लोग उमड़े।

पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोप में अल्पसंख्यकों को सताने के हाल में सैकड़ों मामले आए हैं। ईशनिंदा के आरोपों के बहाने वहां अल्पसंख्यकों का निरंतर दमन हो रहा है। सबसे ज्यादा निराशाजनक बात यह है कि पाकिस्तान सरकार इन घटनाओं की केवल निंदा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। इसका कारण यह है कि करीब 97 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाला यह देश अपने यहां के अल्पसंख्यकों को निचले दर्जे का नागरिक मानता है, अन्यथा वह कानून हाथ में लेने वालों को अवश्य ही कठोर दंड का भागीदार बनाता। वास्तव में इस्लामी सिद्धांतों की मनमानी व्याख्या ने इस गलत अवधारणा को बढ़ावा दिया है कि इस्लाम गैर-मुसलमानों के प्रति शत्रुता को बढ़ावा देता है। इस्लाम अन्य विचारधाराओं के प्रति शत्रुता की वकालत नहीं करता। दुर्भाग्य से इस्लाम की मान्यताओं की गलत व्याख्या करके अन्य धर्म-मजहब वाले लोगों के प्रति दुश्मनी और दुर्भावना पैदा की जाती है। इसी कारण कई इस्लामी देशों में ईशनिंदा कानूनों को अपनाया गया है। कुरान की ऐसी कोई आयत नहीं है, जो गैर-मुस्लिम समूहों के खिलाफ आक्रामकता की वकालत करती हो। इस्लाम की गलत व्याख्या करने से लोग इस्लाम के मूल इरादों से भटक जाते हैं।

यह विचित्र है कि जहां पाकिस्तान सरकार अपने अल्पसंख्यकों के दमन की घटनाओं के प्रति उदासीन दिखती है, वहीं मानवाधिकार की पैरवी करने वाले प्रतिनिधि और संगठन भी पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की दयनीय दशा पर मौन धारण किए रहते हैं। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों द्वारा झेले जाने वाले गंभीर अत्याचारों पर तमाम देशों की चुप्पी भी बहुत खलती है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के दमन और उत्पीड़न के मामलों की वैश्विक स्तर पर जांच की जानी चाहिए और मानवाधिकार की वकालत करने वालों को पाकिस्तान में अल्पसंख्यक आबादी की गरिमा और जीवन की रक्षा के लिए एकजुट होकर सवाल उठाने चाहिए।

अगस्त 1947 में भारत विभाजन के बाद दो अलग स्वतंत्र राष्ट्र अस्तित्व में आए। एक ने अपने नागरिकों की समानता को महत्व देते हुए लोकतांत्रिक-पंथनिरपेक्ष राज्य का रास्ता चुना, जबकि दूसरे ने इस्लामी मान्यताओं को स्थापित कर लोकतांत्रिक राज्य का विकल्प चुना।

नियुक्ति के नए विधेयक पर विपक्ष ने जताई आपत्ति, चुनाव आयोग पर सबने अपने मन का किया

यह पहला मौका नहीं है, जब चुनाव आयोग(ईसी) को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस बार विवाद की वजह बना है राज्यसभा में सरकार की ओर से पेश किया गया वह बिल, जिसके पारित होने के बाद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका नहीं रह जाएगी। पंजाब कैडर के एक अधिकारी को रिटायर होने से महज छह घंटे पहले चुनाव आयुक्त बनाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका डाली गई थी। उसी याचिका पर पिछले मार्च में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति करे, जिसके दो अन्य सदस्य नेता प्रतिपक्ष और मुख्य न्यायाधीश होंगे। लेकिन कोर्ट ने फैसला देते वक्त यह भी स्पष्ट कर दिया था कि यह व्यवस्था संसद द्वारा इस संदर्भ में कानून बनाए जाने तक के लिए ही है। सरकार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति वाला विधेयक इसी फैसले के बाद लेकर आई है। मगर विरोधी पार्टियां इसके विरोध में मुखर हैं।

कठपुतली न बन जाए

विधेयक पर उठने वाले सवालों पर एक नजर डालना जरूरी है।

-कांग्रेस का आरोप है कि इस बिल के पास होने के बाद चुनाव आयोग प्रधानमंत्री के हाथों की कठपुतली बन जाएगा।

-वह इस सिलसिले में बीजेपी नेता लालकृष्ण आडवाणी की एक चिट्ठी लेकर आई है, जिसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में कलीजियम बनाने का सुझाव दिया गया था।

-कलीजियम में प्रधानमंत्री, संसद के दोनों सदनों के नेता प्रतिपक्ष, कानून मंत्री और मुख्य न्यायाधीश को शामिल करने की मांग की थी।

-आडवाणी ने यह चिट्ठी साल 2012 में प्रधानमंत्री को लिखी थी।

-विधेयक के प्रावधानों पर भी एक नजर डाल लेना ठीक रहेगा।

विधेयक के मुताबिक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाली समिति के मुखिया प्रधानमंत्री होंगे।

-समिति के दो सदस्य होंगे, जिनमें एक कैबिनेट मंत्री होगा और दूसरा नेता प्रतिपक्ष।

-यह समिति कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली समिति के सुझाए नामों पर विचार करेगी।

-कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति होगी, जो पांच नाम सुझाएगी।

पंजाब कैडर के एक अधिकारी को रिटायर होने से महज छह घंटे पहले चुनाव आयुक्त बनाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका डाली गई थी। उसी याचिका पर पिछले मार्च में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति करे, जिसके दो अन्य सदस्य नेता प्रतिपक्ष और मुख्य न्यायाधीश होंगे।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति इनमें से मुख्य चुनाव आयुक्त या आयुक्तों के नाम का चयन करेगी।

-खास बात यह कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति चाहे तो सुझाए गए नामों की सूची से बाहर के भी किसी व्यक्ति को मुख्य चुनाव आयुक्त या आयुक्त नियुक्त कर सकती है।

-मुख्य चुनाव आयुक्त या चुनाव आयुक्तों के लिए अब सचिव स्तर से नीचे के अधिकारियों के नाम पर विचार नहीं होगा।

-कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की चिंता यह है कि समिति बनने के बाद भी उसमें प्रधानमंत्री की ही चलेगी क्योंकि कैबिनेट मंत्री तो उनका ही होगा और वह शायद ही प्रधानमंत्री की मंशा का विरोध कर पाए।

लेकिन कांग्रेस हो या आम आदमी पार्टी, उनकी चिंता की बड़ी वजह यह लगती है कि अभी पीएम पद बीजेपी के पास है। हालांकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकारें बदलती रहती हैं। अगर भविष्य में कांग्रेस की सत्ता आएगी तो क्या इस पर उस सरकार का रुख अलग होगा? अतीत के अनुभव पर गौर करें तो इसके कोई आसार नहीं दिखते। पहले तो चुनाव आयोग 'सरकार का कारिंदा' माना जाता था। चुनाव आयोग को एक ताकतवर संस्थान की पहचान टीएन शेषन ने दी थी। ध्यान रहे, 1990 में तत्कालीन कानून मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी ने तब के प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को शेषन के नाम का सुझाव दिया, तो उनकी टिप्पणी बहुत अच्छी नहीं थी। शेषन राजीव सरकार के चहेते अधिकारी और कैबिनेट सचिव थे। शेषन को राजीव गांधी के ही सुझाव पर मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया गया।

तथ्य यही है कि अपने-अपने दौर में सभी पार्टियों ने चुनाव आयोग पर लगाम लगाने की कोशिश की है। अपने-अपने दौर में उन्होंने अपने हिसाब से चुनाव आयोग पर सवाल उठाए ही हैं।

-बतौर चुनाव आयुक्त शेषन ने धनबाद के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर को पक्षपात के आरोप में हटा दिया था, तो जनता दल ने काफी हंगामा मचाया था।

-साल 1996 में कांग्रेस के समर्थन से बनी देवेगौड़ा सरकार ने शेषन के रिटायर होते ही एमएस गिल को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया। गिल जब 13 जून 2001 को रिटायर हुए तो कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा पहुंचा दिया।

-गिल दो-दो बार राज्यसभा के सदस्य ही नहीं बनाए गए, मनमोहन सरकार में वह खेल मंत्री भी रहे।

शेषन के पहले तक तो सरकार जिसे चाहती, उसे मुख्य चुनाव आयुक्त बनाती रही। चुनाव आयोग सरकारी घोड़ा ही माना जाता था। शेषन पहले चुनाव आयुक्त थे, जिन्होंने घोड़ा बनने से इनकार कर दिया। हालांकि कांग्रेस ने उनका नाम अपना चहेता होने के ही चलते बढ़ाया था।

गौर करने की बात यह है कि चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल सिर्फ अपने देश में नहीं उठे हैं। दुनिया का सबसे ताकतवर लोकतंत्र माने जाने वाले अमेरिका में भी चुनाव आयोग पर सवाल उठ चुके हैं। पिछले चुनाव के दौरान वहां का चुनाव आयोग घेरे में रहा।

हाल के कुछ वर्षों में भारत में चुनाव आयोग को ईवीएम में हेराफेरी करने वाले के तौर पर स्थापित किया जा रहा है। यह बात और है कि इसी ईवीएम के सहारे विपक्षी दलों की राज्यों में जीत होती है। फिर भी, लोकतांत्रिक व्यवस्था के हित में बेहतर होगा कि चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे, चुनाव आयोग पर कम से कम पूर्वाग्रह के चलते सवाल ना उठें और सवाल उठाने वाले अपने अतीत की ओर भी देखें। लेकिन क्या हमारा राजनीतिक तंत्र इस तरह से सोचने को तैयार है?

दैनिक पंचांग

26 अगस्त 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.18 बजे से
चंद्र	धनु में	तुला	09.29 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.44 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	14.00 बजे से
गुरु	मेष में	मकर	16.05 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.52 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	19.24 बजे से
राहु	मेष में	मेष	20.55 बजे से
केतु	तुला में	वृष	22.35 बजे से
राहुकाल		मिथुन	00.33 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		कर्क	02.46 बजे से
		सिंह	05.03 बजे से

शनिवार 2023 वर्ष का 238 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 00.09 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 08.38 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 16.26 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 13.11 बजे तदनन्तर गर 00.09 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 09.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10° 34'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871717
जूलियन दिन 2460182.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1445
महीना सफर
तारीख 09

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 26 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

मार्ग-दर्शन

दूसरे राज्य [illegible] के [illegible] अल्पसंख्यकों

अभिमान रहित स्वामी को भक्तों में हुए भगवान के दर्शन

स्वामी अखिलानंद हरिद्वार में गंगा तट पर आश्रम में प्रतिदिन रामकथा करते थे। एक दिन वह शिष्यों के साथ गंगा किनारे टहल रहे थे। तभी उन्होंने देखा कि आश्रम के पास पेड़ों के झुरमुट में दो व्यक्ति बैठे हुए हैं। शिष्यों से पूछने पर उन्होंने बताया कि ये दोनों ग्रामीण भक्त हैं और कथा सुनने रोज आते हैं। उनके फटे वस्त्र देख स्वामीजी सोचने लगे कि ये गंवार रामकथा का मर्म क्या समझेंगे? शायद प्रसाद के लोभ में आते होंगे। उन्होंने उनको बुलवाकर रामभक्ति का महत्व पूछा, तो दोनों कुछ बता नहीं पाए। स्वामीजी ने डांटते हुए कहा- 'यहां व्यर्थ की भीड़ मत लगाओ। कल सुबह जब मेरा प्रवचन हो, तब आना। प्रसाद भी तभी मिलेगा।' दोनों मान-अपमान की चिंता किए बिना सहज भाव से चले गए। स्वामीजी ने ठहाका लगाते हुए शिष्यों को जताया कि रामकथा का रस लेना इतना आसान नहीं है। इसके लिए उनके जैसा गहन अध्ययन और विषद चिंतन जरूरी है। आगे चलते हुए स्वामीजी को एक बालक मिला, जो रेत का एक छोटा कुंड बनाकर उसे अंजुरी में पानी ला-लाकर भर रहा था। यह देख उन्हें भान हुआ कि जैसे नदी का सारा पानी रेत के छोटे कुंड में नहीं भर सकते, वैसे ही ज्ञान की समग्रता भी एक छोटे से दिमाग में नहीं भरी जा सकती। इस बात का पूर्ण अहसास स्वामीजी को अगले दिन हुआ, जब भारी बारिश के चलते रामकथा सुनने कोई नहीं आया, किंतु वे दोनों ग्रामीण नदी पार कर आ पहुंचे। स्वामीजी ने ज्ञान के अभिमान से रहित होकर उन दोनों भक्तों में भगवान के दर्शन किए।

जीने की राह

बाहरी प्रतिष्ठा के साथ भीतरी पवित्रता ही है सुख का सूत्र

आभूषण कितने ही कीमती या सुंदर हों, लेकिन एक वक्त के बाद उन्हें चमकाना जरूर पड़ता है। केवल इस्तेमाल करने पर ही नहीं, रखे-रखे भी उनकी चमक फीकी पड़ जाती है। सोने को भी निखरने के लिए आग बर्दाश्त करनी पड़ती है। नग-नगीने भी पड़े-पड़े प्रभाव खोने लगते हैं। यही हाल इंसान के व्यक्तित्व और चरित्र का है। इसे कभी-कभी नहीं, रोज मांजना पड़ेगा, क्योंकि हर सांस गंदगी और सफाई दोनों की संभावना लिए भीतर-बाहर आती-जाती है। सांस लेने का मतलब फेफड़ों में हवा भरना भर नहीं है। यह प्रकृति के प्राणतत्व के पान करने का दिव्य अवसर होता है। कुदरत ने हमें अपने व्यक्तित्व और चरित्र को संवारने के लिए सहज ही सुविधा दी है। फिर भी इंसान है कि दोहरा जीवन जीने लगता है। बाहर से प्रतिष्ठा और भीतर से पतन, दोनों एक साथ चला लेता है। लोगों के कंधे पर चढ़ ऊंचा पद पाने वाले भीतर से पूरी तरह गिरे रहते हैं। उनकी बाहरी प्रतिष्ठापूर्ण मुस्कान भीतर वासनामयी लहरों से संचालित रहती है। लेकिन सच यह है कि ऐसा बहुत दिनों तक नहीं चल पाता। लोगों को तो धोखा दिया जा सकता है, पर स्वयं से छल कब तक करेंगे! कुछ समय बाद एक ऊब, उदासी और डर शुरू हो जाता है। अपनी ही छवि, प्रतिष्ठा अपने को ही डराने लगती है। इसीलिए बाहर-भीतर का भेद मिटाकर जिएं। बाहर की प्रतिष्ठा को भीतर के सद्चरित्र से जोड़े रखें। आंतरिक पवित्रता बाहर कभी उदास नहीं रहने देगी। भीतर का मटमैलापन थोड़े दिन में बाहर के सुख को भी ऊब में बदल देगा।

संतुलित नजरिए की जरूरत

पुणे की एक सोसाइटी से जुड़े आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को बहाल रखा है। यानी आवारा कुत्तों को उस इलाके से हटाने की सोसाइटी की कोशिशों को सुप्रीम कोर्ट से संरक्षण नहीं मिला। इसी साल 7 फरवरी को सात साल के एक बच्चे पर सोसाइटी में घूमने वाले एक कुत्ते ने अटैक कर दिया था, जिसके बाद इस मामले ने तूल पकड़ा। सोसाइटी ने उस इलाके में घूमने वाले 20 कुत्तों को पकड़ कर पिंजरे में डलवा दिया, जिसका कुछ डॉग लवर्स ने विरोध किया। मामला न सुलझने पर दोनों पक्ष कोर्ट पहुंचे। हाउसिंग सोसाइटियों में कुत्ते विवाद और टकराव का एक बड़ा कारण बनते जा रहे हैं। पिछले दिनों इंदौर में कुत्ते के मसले पर ही फायरिंग की घटना हो गई, जिसमें दो लोगों की जान चली गई। दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में इसी साल मार्च महीने में आवारा कुत्तों के हमले में 7 और 9 साल के दो बच्चों की जान चली गई। केरल के कन्नूर जिले में कुत्तों के हमलों की बेतहाशा बढ़ती घटनाओं से जुड़ा एक मामला अभी भी सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। इस मुद्दे की गंभीरता का अंदाजा इस बात से हो सकता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत में हर साल रैबीज के चलते करीब 20,000 लोगों की जान जाती है। यह दुनिया में रैबीज से होने वाली कुल मौतों का एक तिहाई है।

कुत्तों के हमले की बढ़ती घटनाओं के चलते जहां लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ इन्हीं सोसाइटियों में रहने वालों का एक तबका ऐसा है जो घरों में पाले जाने वाले डॉगीज ही नहीं घरों से बाहर के आवारा कुत्तों के भी बचाव में खड़ा नजर आता है। इसमें कुछ गलत भी नहीं है। इसमें दो राय नहीं कि चाहे हाउसिंग सोसाइटी हों या सोसाइटी के बाहर गलियों मोहल्लों में रहने वाली आबादी, हर नागरिक की सुरक्षा का सवाल अहम है। कुत्तों या अन्य पशुओं से उनकी रक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जानी चाहिए। लेकिन ऐसा करते हुए अन्य नागरिकों के अधिकारों और पहले से देश में लागू नियम-कानूनों की अनदेखी करने की छूट नहीं दी जा सकती। एक अन्य मामले में दिल्ली हाईकोर्ट के इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच भी मान्य कर चुकी है कि आवारा कुत्तों को भोजन का अधिकार है और नागरिकों को भी ये हक है कि वे अपने इलाके में पलने वाले आवारा कुत्तों को खाना खिलाएं। हां, इन्हें किस तरह भोजन मुहैया कराया जाए इस बारे में भी दिल्ली हाईकोर्ट की गाइडलाइन है। कुत्तों के साथ क्रूरता किए बगैर उन्हें केयर दिए जाने, उनका वैक्सिनेशन करने और उनके बर्थ कंट्रोल की व्यवस्था करने जैसे तमाम कदमों के प्रावधान पहले से स्थापित नियमों में हैं। जाहिर है, इस मामले में सावधानी के साथ ही संतुलित नजरिए की जरूरत है।

आत्महत्या करते पुरुष, लेकिन चिंता किसी को नहीं?

हाल ही में दो पुरुषों ने आत्महत्या की। दोनों ही युवा और दोनों ही ऊर्जा से भरपूर थे। दोनों ही अपने परिवार की आंखों का तारा रहे होंगे, परन्तु दोनों ही अब इस दुनिया में नहीं हैं। यह भी दुखद है कि इन बातों पर चर्चा होगी, आंसू बहाए जाएंगे परन्तु कदम क्या उठाए जाएंगे, इस पर चर्चा नहीं है। कैसे हमारे बेटे और भाइयों की आत्महत्या रुकेगी, यह किसी को नहीं पता है। पहले बात आजतक डिजिटल में काम कर रहे आकाशदीप की, जिनकी आत्महत्या इन दिनों चर्चा में है। चूंकि वह जिस क्षेत्र में कार्य कर रहे थे वह चमक दमक से भरा है, कथित समस्याओं की लड़ाई से लड़ने के लिए बना है, तो उनका परिचय एवं कार्य का क्षेत्र बहुत बड़ा है, व्यापक है, उनका परिचय व्यापक है, तो इसलिए उनकी आत्महत्या बहुत ही हैरान करने वाली है। इसलिए क्योंकि मीडिया को ऐसा वर्ग बताया जाता है, जिसमें समस्याओं से लड़कर उसका समाधान खोजने की और व्यवस्था से भिड जाने की प्रवृत्ति होती है। गलत को गलत कहने का साहस होता है और व्यवस्था से प्रश्न करने की हिम्मत!

ऐसे में एक बड़े प्लेटफोर्म के आकाशदीप द्वारा यह कदम उठाया जाना बहुत हैरान करता है। हालांकि इस विषय में पुलिस का कहना यही है कि यह एक आत्महत्या का मामला है। दोनों में अनबन थी, आपस में झगड़ा हुआ और यह कदम उठा लिया गया। पुरुष आयोग में जब हम तमाम पुरुषों की कहानियां सुनते हैं,

तो जी घबरा जाता है। मगर उन्हें उठाना हमारा काम है। इस सिलसिले में भी जब एसएचओ से बात हुई तो उनका कहना यही था कि यह आत्महत्या का ही मामला है। यदि यह आत्महत्या है तो दोषी कौन है? आत्महत्या कोई अपने आप नहीं करता, उसके पीछे कई कारण होते हैं। ऐसे कारण जिनमें व्यक्ति इस सीमा तक निराश और हताश हो जाए कि जीवन ही समाप्त कर ले। वह फंदा तो अपने आप डालता है, मगर उसके पीछे हाथ किसी और का होता है। इसमें भी कथित रूप से पत्नी के साथ हुआ झगड़ा ही वजह बताया जा रहा है।

परन्तु कोई भी झगड़ा इतना बड़ा कैसे हो सकता है कि व्यक्ति स्वयं को समाप्त ही कर ले? जब मैंने आकाश के घरवालों से बात की, जो एफआईआर दर्ज कराने के लिए दिल्ली आए हुए थे, तो उनका कहना था कि जिस दिन उसने आत्महत्या की उससे कुछ देर पहले ही वह परेशान लग रहा था। उसने अपने पिता को फोन करके कहा था कि वह दिल्ली आ जाएं, अब सहा नहीं जा रहा। समस्या इसी सहने की है। आजकल युवक सह क्यों नहीं पाते? या फिर उन्हें यह लगता है कि उनकी बात को सुना और समझा नहीं जाएगा या फिर कानूनी और सामाजिक दायरा उनकी समस्याओं के प्रति ही निरपेक्ष हो गया है? आखिर कारण क्या है?

वह कारण बताने से डरता है क्योंकि उसे यह डर है कोई उसे समझेगा नहीं? यही पीड़ा बार बार आकाशदीप की बातों से उभरकर आती थी। किसी की पोस्ट पर लिखा गया उनका कमेन्ट यह बहुत चर्चा में है कि 'कई पुरुष भेई हैं, जो अपनी तकलीफ बता तक नहीं पा रहे हैं। कोई उनके लिए एक पोस्ट तो छोडिये, लाइन तक नहीं लिख रहा, बात नहीं कर रहा!' यह जो बात न करने वाली पीड़ा है, उस पर बात करनी है। क्योंकि बात न करने से हमारे बेटे एक ऐसे अंधकार में जा रहे हैं, जहां से दरअसल वापसी का कोई रास्ता रह नहीं जाता। आकाशदीप मुखर थे, इसलिए किसी न किसी बहाने से अपनी पीड़ा लिखते थे। एक उनकी पोस्ट भी है जिसमें उन्होंने अपने मन की बात कही है। आकाशदीप ने उस पोस्ट में लिखा है कि

'कई बार कुछ घाव बाहर की तरफ़ से नहीं खुलते, उनके धागे अंदर से टूट जाते हैं। घाव अंदर की तरफ खुल जाते हैं। जिसका शायद कोई इलाज नहीं। एक ऊँची इमारत के सबसे ऊँचे कमरे में रहते हुए मैंने खिड़कियों पर मज़बूत जाल लगवा दिए थे। जो भी कोई देखता तो वो यही कहता कि बीसवीं मंज़िल पर बाहर से आपकी खिड़की से कौन ही आएगा।'

उसके जीवन में इतने दोस्तों के बाद भी वह अपनी पीड़ा कहने से डरता था! इसी डर पर बात होनी चाहिए। क्यों आकाशदीप जैसे युवा जिन्हें बुलंदियों पर पहुंचना होता है, वह अंधकार में डूब जाते हैं। जहां सोशल मीडिया में आकाशदीप की आत्महत्या चर्चा का विषय बनी हुई है, तो उसी समय एक और युवक ने आत्महत्या कर ली है। उत्तर प्रदेश के संभल में पत्नी से चल रहे विवाद

कब,क्या हो आपके वैनिटी बैग में

क्या आप जहां कहीं भी जाती हैं वहीं अपने साथ अपनी पूरी ब्यूटी कैबिनेट साथ ले जाती हैं ? यह थोड़ा अटपटा लगता है। अपने साथ हल्का सामान लेकर चलने की आदत डालें। अगली बार जब भी आपको कहीं बाहर जाना हो तो यह जान लें अपने वैनिटी बैग में क्या-क्या रखना है।

विवाह पर जाते समय

यदि आप किसी विवाह समारोह में जा रही हैं तो उन उत्पादों को ही अपने वैनिटी बैग में रखें जिन्हें आप पहले इस्तेमाल कर चुकी हैं। यदि ऐसे अवसर पर आप नए उत्पादों के साथ प्रयोग करती हैं तो इसके कारण एलर्जी हो सकती है। ऐसा आप बिल्कुल नहीं चाहेंगी।

- अपना सर्वोत्तम परफ्यूम पैक करें। चूंकि विवाह बहुत ही शानदार तथा पूरा दिन चलने वाले समारोह होते हैं इसलिए इस पूरी अवधि के दौरान आप महकती रहें, यह जरूरी है।

यदि आपकी आंखों से पानी निकलता हो तो वाटर प्रूफ मेकअप जरूरी हो जाता है।

- विभिन्न आयोजनों पर अलग-अलग हेयर स्टाइल्स दिखाने के लिए एक कर्लिंग आयरनर या फिर हेयर स्ट्रेटनर साथ लेकर जाएं।
- आपके मेकअप बैग में एक अच्छी कोल्ड क्रीम या फिर मॉइश्चराइजर अवश्य रखें जो आपकी स्किन को रात तक नमी युक्त रखे।

पार्टी पर...

चूंकि अधिकतर पार्टियां रात को ही होती हैं इसलिए आप ग्लैमरस मेकअप का चुनाव करें।

- पने बालों को अलग रंग देने के लिए हेयर एक्सटैंशन्स या फिर हेयर मस्कारा का प्रयोग करें।
- प्राकृतिक बालों के लिए आप अपने साथ एक हेयर मूसी (क्रीम) ले जा सकती हैं। इससे आपके बाल घने तथा चमकदार दिखेंगे।
- बॉडी बटर आपकी त्वचा को अलग चमक देता है।
- पार्टी मेकअप को आराम से उतारने के लिए क्लींजिंग मिल्क बहुत जरूरी है।

पिकनिक पर...

पिकनिक के लिए पैकिंग करते समय ऐसी चीजें पैक करें जो उपयोगी तथा लाने-ले जाने में आसान हों।

- चूंकि आप अधिकतर बाहर ही रहेंगी इसलिए 30 या इससे ऊपर एस.पी.एफ. वला सनस्क्रीन लोशन अपने साथ रखें।
- वैट वाइप्स भी ऐसे में ले जाने जरूरी हैं क्योंकि ये आपके चेहरे को फ्रैश बनाए रखते हैं।
- डियोडरैंट की बजाय एक फ्रूट फ्लेवर्ड बॉडी स्प्लैश खरीदें। यह आपकी त्वचा के लिए बहुत ही लाइट, रिफ्रैशिंग तथा खुशनुमा साबित होगा।

ब्यूटीफुल स्किन, हेल्दी स्किन त्वचा के लिए विंटर केयर टिप्स

सबसे पहले चेहरे की त्वचा को क्लींजिंग मिल्क से साफकरके पानी से धो लें। अब बराबर मात्रा में ग्लिसरीन और गुलाब जल मिलाकर उससे चेहरे की हल्की मालिश करें। गर्दन की मालिश पर हाथ थोड़े सख्ती से ऊपर की तरफ चलाएँ। ठोड़ी की मालिश हाथों को बाहर ले जाते हुए करें। गालों पर गोलाई से मालिश करते हुए हाथ नीचे से ऊपर की ओर ले जाएँ। इस प्रक्रिया से रक्त संचार बढ़ेगा और गालों का गुलाबीपन बना रहेगा। ललाट या माथे पर मालिश करते समय लेफ्ट से राइट की तरफहाथों को थोड़ा टेढ़ा करके चलाएँ। आंखों की नजाकत का ध्यान रखते हुए उँगलियों को गोलाई से इस तरह घुमाएँ कि ग्लिसरीन आँखों में न जाने पाए, क्योंकि आँखों में यह जलन पैदा कर सकती है। ग्लिसरीन की मालिश होंठों के लिए सर्दियों में जरूरी है। इससे सूखी त्वचा नम हो जाती है और फटे होंठों को राहत मिलती है। होंठों की मालिश एक बार बाईं और फिर एक बार दाईं ओर से करें। नाक के लिए भी यह बेहतरीन मसाज है। इससे नाक की कठोर त्वचा भी मुलायम होकर चमकने लगेगी। सर्दियों में केवल यह मसाज ही दिन में समय मिलने पर दो-तीन बार आपने कर ली तो आपकी त्वचा की चमक देखने लायक होगी और

इसका असर त्वचा पर स्थायी होगा। इन दिनों लगने वाले फेस पैक भी थोड़े अलग होते हैं। सबसे अच्छा पैक लाल चंदन के पाउडर का माना जाता है। इसमें ताजी मलाई इतनी मात्रा में मिलाएँ कि गाढ़ा पेस्ट बन जाए। इस पेस्ट को नीचे से ऊपर की ओर गोलाई में हाथ चलाते हुए गर्दन और पूरे चेहरे पर लगाएँ। पंद्रह-बीस मिनट बाद हल्के गरम पानी से धो लें। इससे त्वचा का रूखापन दूर हो जाएगा। शुष्क त्वचा होने पर बादाम के तेल में नींबू के रस की दो-तीन बूँद डालें और चंदन का पाउडर मिक्स करें। इसे चेहरे पर लगाएँ। पाँच-सात मिनट बाद हल्के हाथों से रगड़ते हुए उतार लें और हल्के गरम पानी से चेहरा धो लें। बादाम का तेल न हो तो मलाईयुक्त दूध भी काम में ले सकते हैं। इससे त्वचा की कोमलता बढ़ेगी और साथ ही साँवलापन भी खत्म होगा। त्वचा के तैलीय होने पर शहद में बेसन मिलाकर हल्के हाथों से चेहरे पर मलें और बाद में धो लें। बेसन अतिरिक्त तेल को खत्म करेगा और शहद त्वचा के ढीलेपन को खत्म करके कसाव लाएगा। त्वचा की चमक भी शहद बनाए रखेगा। आप अधिक देर धूप में रहते हैं तो रंगत पर असर होता ही है। ऐसी त्वचा पर कच्चा दूध और नींबू का रस रुई में लेकर धीरे-धीरे मलें। इससे त्वचा अपने असली रंग में आ जाएगी। फिर पैक इस्तेमाल करें। समय न होने पर बादाम, जैतून, तिल या सरसों के तेल से मालिश करके हल्के गरम पानी में भिगोए निचुड़े तौलिए से त्वचा को थपथपाएँ। इससे त्वचा पर शुष्क हवाओं का असर नहीं होगा और वह चिकनी व मुलायम बनी रहेगी।

यदि आपकी त्वचा तैलीय या सामान्य है तो इस ठंडे मौसम का उस पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा पर रूखी या शुष्क है तो आपको इस मौसम में अतिरिक्त देख-रेख की जरूरत पड़ेगी ही। इन दिनों ठंडी हवाओं से त्वचा फट जाती है या शुष्क हो जाती है। सबसे ज्यादा चेहरे की त्वचा ही प्रभावित होती है। त्वचा की नमी बनाए रखना मुश्किल नहीं है। आप मौसम के अनुसार फेशियल करके इसे मौसम के कुप्रभावों से बचा सकती हैं। इन दिनों फेशियल कैसे करें और किन चीजों का इस्तेमाल करें, चलिए जानते हैं...

सुरक्षित धरती और शाकाहार

इस नीले गृह पर जहाँ हम रहते हैं वहाँ से जीवों की कई प्रजातियाँ हमेशा के लिए विलुप्त हो रही हैं। ऐसा सदियों से होता आ रहा है। कई

प्रजातियाँ इंसान के प्रादुर्भाव से पहले धरती को विदा कह गईं जबकि कई प्रजातियाँ हमारे सामने विलुप्त हो गईं। इंसान के लालच और जरूरत के चलते जिस गति से इन दिनों जंगलों से जैव विविधता नष्ट की जा रही है उसे देखते हुए लगता है कि जल्दी ही हमारा अस्तित्व ही संकट में आ जाएगा।

यह बहस सदियों से जारी है कि इंसान के लिए शाकाहार जरूरी है कि माँसाहार। अक्सर यह प्रश्न उठाया जाता है कि क्या हम इतना अन्न उगाते हैं जिससे धरती पर बसने वाले हर इंसान का पेट भरा जा सके? हो सकता है कि अनाज कम पड़े लेकिन क्या जिस गति से जंगल और समुद्र जीवों से रीते होते जा रहे हैं क्या उसका असर समूचे पर्यावरण पर नहीं पड़ रहा है? जाहिर है कि धरती पर जीवन को सुरक्षित रखना हमारी पहली प्राथमिकता है।

इस धरती पर कई ऐसे इलाके हैं जहाँ अनाज नहीं उगता। वहाँ माँसाहार पर निर्भर रहना एक विवशता है। जिन इलाकों में अनाज बहुतायत से उगाया जाता है वहाँ ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। यह नितांत निजी प्रश्न है कि आपके लिए शाकाहार प्राथमिकता पर है या माँसाहार। आप जो चाहें चुन सकते हैं लेकिन धरती को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी आपकी ही है।

हेल्थ प्लस

चॉकलेटी- चॉकलेटी एक्सरसाइज

अब तक अगर आप वजन बढ़ जाने के डर से चॉकलेट खाने का प्रोग्राम स्थगित कर देते थे तो यह नई जानकारी आपके मुँह में पानी ला देगी। जी हाँ, पिछले दिनों हुए एक शोध ने बताया है कि डार्क चॉकलेट खाने से आपके शरीर को वैसा ही फायदा होता है, जैसा एक्सरसाइज़ करने से होता है यानी अब चॉकलेट खाना भी फायदे का सौदा है।

कुछ दिनों पूर्व हुए एक शोध के अनुसार सीमित मात्रा में डार्क चॉकलेट का सेवन आपके स्वास्थ्य पर ठीक वही असर डाल सकता है, जो असर व्यायाम आपके शरीर पर डालता है। इस शोध में कोशिकाओं का 'पावरहाउस'। कहे जाने वाले 'माइटोकॉन्ड्रिया'। को केंद्रबिंदु मानकर काम किया गया था। माइटोकॉन्ड्रिया का काम ऊर्जा उत्पन्ना करना होता है। शोध के दौरान यह पाया गया कि चॉकलेट में एक ऐसा वानस्पतिक यौगिक 'इपिकेटेचीन'। होता है, जो मसल्स को उसी तरह क्रियाशील करता है जैसे कि व्यायाम या खेल से जुड़ी कोई गतिविधि करती है। उल्लेखनीय है कि एयरोबिक्स, जॉगिंग, रस्सी कूदने या साइकलिंग करने से मांसपेशियों की कोशिकाओं में माइटोकॉन्ड्रिया की

> सीमित मात्रा में डार्क चॉकलेट का सेवन आपके स्वास्थ्य पर पॉजिटिव असर डाल सकता है। एक शोध के दौरान यह पाया गया कि चॉकलेट में एक ऐसा वानस्पतिक यौगिक 'इपिकेटेचीन'। होता है, जो मसल्स को उसी तरह क्रियाशील करता है जैसे कि व्यायाम या खेल से जुड़ी कोई गतिविधि करती है।

संख्या में बढ़ोतरी होती है। ठीक यही काम इपिकेटेचीन भी करता है। खासतौर पर हार्ट और स्केलेटल मसल्स को मजबूत करने में यह मुख्य भूमिका निभाता है। शोधकर्ताओं का यह भी मानना है कि इस शोध के निष्कर्ष से उन मसल्स को बेकार होने से भी रोका जा सकेगा जिनके कारण उम्र का असर शरीर पर दिखाई देने लग जाता है, क्योंकि बढ़ती उम्र के साथ स्केलेटल मसल्स की माइटोकॉन्ड्रिया की संख्या में कमी आने लग जाती है। ऐसे में इपिकेटेचीन के प्रयोग से माइटोकॉन्ड्रिया की संख्या को बढ़ाया जा सकता है यानी सदाबहार जवानी की ओर एक और कदम बढ़ाया जा सकेगा। फिलहाल यह मात्र एक कयास है वैज्ञानिक लगाते ही रहते हैं... मुख्य बात तो यह है कि अब आप निश्चिंतता के साथ मजे से चॉकलेट का आनंद उठा सकते हैं। तो बाकी चिंताएँ छोड़िए और चॉकलेटी एक्सरसाइज के मजे लूटिए।

क्या आप ऑस्टियोपोरोसिस से परेशान हैं ?

ऑस्टियोपोरोसिस हड्डियों को खोखला कर देने वाली खतरनाक बीमारी है। एक अनुमान के अनुसार सन् 2013 तक देश में इससे काफी लोग प्रभावित होंगे। स्पाइनल फ्रैक्चर के 83 प्रतिशत मामलों का कारण ऑस्टियोपोरोसिस को माना जाता है। यह बीमारी जागरूकता के अभाव में होती है। स्पाइनल फैक्चर के परिणाम अत्यंत गंभीर हो सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप मरीज़ आगे-पीछे, दाएँ-बाएँ झुक नहीं सकता है या हड्डियों को एक सीध में नहीं रख सकता। थोड़ा-सा भी झुकने में उसे बहुत दर्द होता है। वह हर समय झुककर चलता है, जिससे यादा शारीरिक गतिविधि संभव नहीं हो पाती। इस वजह से मरीज़ अवसादग्रस्त हो जाते हैं।

ऑस्टियोपोरोसिस से ग्रस्त मरीज़ों में पहले फैक्चर के बाद स्पाइन फ्रैक्चर की संभावना 5 गुणा बढ़ जाती है, जबकि दो या दो से अधिक बार स्पाइन फैक्चर होने के बाद इसकी संभावना 75 गुणा बढ़ जाती है। मरीज़ के फेफड़े पहले की तुलना में कम काम करने लगते हैं, वे दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं। समय से पूर्व फैक्चर की रोकथाम एवं उपचार करके इसके गंभीर परिणाम भुगतने से बचा जा सकता है। मरीज़ एवं डॉक्टर दोनों को स्पाइनल फैक्चर के लक्षणों एवं कारणों पर बहुत बारीकी से नज़र रखना चाहिए।

रीढ़ की हड्डी के कुछ तथ्य...

- भारत में 2013 तक 3 करोड़ 60 लाख ऑस्टियोपोरोसिस के मरीज होंगे। वहीं उनमें से 83 प्रतिशत फैक्चर केवल ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होते हैं।
- विटामिन डी एवं कैल्शियम की कमी से हड्डियाँ लगातार कमजोर होती हैं, जिससे फैक्चर होने की आशंका बढ़ जाती है।
- पूरे विश्व में हर 22वें सेकंड में किसी न किसी वजह से एक व्यक्ति की रीढ़ की हड्डी टूट जाती है।
- कुल स्पाइनल फैक्चर के मामलों में दो-तिहाई मामलों में लोग डॉक्टरी इलाल को अवॉयड करते हैं।
- जबकि 30-50 प्रतिशत वर्टिब्रा फैक्चर के केस रेडियोलॉजी की रिपोर्ट में गलत डायग्नोसिस के कारण बिगड़ते हैं।
- प्रभावी थेरेपि से वर्टिब्रल फैक्चर्स को 30-70 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।
- प्रभावी सर्जिकल इंटरवेंशन के जरिए ऑस्टियोपोरोसिस के मरीजों में सर्जरी के भय को कम किया जा सकता है।
- क्योंकि इतना तो सच है कि स्पाइन सर्जरी के जरिए मरीजों की जीवन की गुणवत्ता बढ़ाई जा सकती है

लक्षण

- अचानक वजन में काफी कमी आना एवं गंभीर पीठ-दर्द।
- आगे-पीछे, दाएँ-बाएँ झुकने में पीड़ा का अनुभव करना।
- परिवार में एक या अधिक सदस्य ओस्टियोपोरोसिस से ग्रस्त रहे हों अन्य सदस्यों को सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है।-उन्हें इस बीमारी से बचने के उपायों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।
- ऑस्टियोपोरोसिस में हड्डियाँ सिकुड़ जाती हैं यानी उनकी बोन डेंसिटी कम हो जाती है और अस्थि-मज्जा की मात्रा में कमी होती चली जाती है। इसके परिणामस्वरुप हड्डियाँ जल्दी टूटने लगती हैं ।
- यह एक चुप हत्यारा है, जो सामने आकर वार नहीं करता, अंदर ही अंदर नुकसान करता चला जाता है।

उपचार

- वर्टिब्रल फ्रैक्चर के मामले में पीठ की मांसपेशियों को मज़बूत करने वाली कसरत।
- कैल्शियम एवं विटामिन डी की भरपूर खुराक।
- हड्डियों के लिए चिकित्सक द्वारा बताई गई कसरत करते रहें।

फ्रैक्चर होने पर...

दुनिया में 45 प्रतिशत हड्डी के मरीज केवल डर के कारण सर्जरी कराने से इंकार कर देते हैं, जबकि स्पाइनल सर्जरी एक प्रभावी उपचार है।

मोडिकल मैनेजमेंट एवं फिजियोथेरेपि।

उन्नत तकनीकों की मदद से स्पाइनल फ्रैकचर का उपचार प्रभावी तरीके से किया जा सकता है। अधिकांश ऑस्टियोपोरोटिक फ्रैक्चर रीढ़ की हड्डी, हाथ एवं नितंब की हड्डियों में होते है। 60 साल से अधिक उम्र की महिलाओं में 25-60 प्रतिशत स्पाइन में दबाव पड़ने की वजह से फ्रैक्चर होते है। ऑस्टियोपोरोसिस को लोग साधरण पीठ दर्द या ऑर्थ्राइटिस की तरह ही लेते है और चिकित्सीय जाँच की ज़रूरत नहीं समझते। ऐसे में उनका सही इलाज नहीं हो पाता। आँकड़े बताते हैं कि सर्जिकल इंटरवेंशन की सलह के बावजूद बहुत कम संख्या में लोग सही उपचार की ओर रूख करते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है, स्पाइनल सर्जरी के प्रति अनजाना भय।